संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-146 ■ रायपुर, शनिवार 24 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : त्रयोदशी
नक्षत्र : उत्तरभाद्रपद
प्रथम करण : तैतिल
द्वितीय करण : गारा
पक्ष : शुक्ल
वार : शनिवार
योग : व्याघात
सूर्योदय : 06:31
सूर्यास्त : 17:38
चंद्रमा : मीन राशि में
राहुकाल : 09:18 - 10:41
विक्रमी संवत् :2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:27

कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से मांगी 200 से ज्यादा सीटें

लखनऊ: यूपी विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर राजनीतिक दलों में सरगर्मियां तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। सपा के साथ गठबंधन में कांग्रेस 200 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने 200 से ज्यादा सीटों की लिस्ट समाजवादी पार्टी को सौंपी है, जिस पर कांग्रेस ने अपनी दावेदारी की बात कही है। जानकारी के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर कांग्रेस ने सीटों की पहचान की है, जहां पर कांग्रेस का विधानसभा के आधार पर प्रदर्शन बेहतर था। कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा के नतीजों के आधार पर A, B, C, और D कैटेगरी बनाई है जिसके आधार पर सीट कांग्रेस की तरफ से आइडेंटिफाई की गई है।

7.36 करोड़ रुपये की साइबर ठगी, बैंक मैनेजर समेत 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस के उत्तर-पश्चिम जिले की साइबर सेल ने 7.36 करोड़ की साइबर ठगी से जुड़े कथित संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बैंक मैनेजर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में कैथोलिक सीरियन बैंक की सरस्वती विहार और त्रि नगर शाखाओं में संचालित 37 संदिग्ध म्यूल बैंक खातों का खुलासा हुआ है। इन खातों में देशभर में दर्ज साइबर अपराध की 99 शिकायतों से जुड़ी करीब 7.36 करोड़ रुपये की रकम जमा होने का पता चला है।

मुरिया दरबार में राष्ट्रपति ने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था की सराहना की

मैं भी मांझी की बेटी हूं, आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं से मेरा गहरा जुड़ाव : द्रौपदी मुर्मु

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक निर्णय प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियां और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अलिखित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है। यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण आधार है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूं। उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूं। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी की बेटी हूं, गांव के मुखिया की बेटी हूं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश में पहले राजाओं का शासन था, इसके बाद अंग्रेजों का शासन आया और आज भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है। समय के साथ शासन व्यवस्था और कानूनों में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आदिवासी समाज की अपनी पारंपरिक व्यवस्था आज भी विद्यमान हैं जो किसी पुस्तक में नहीं लिखा गया है, लेकिन समाज के लोग पीढ़ियों से इसका पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में लोग मिल-जुलकर पूजा-अर्चना करते हैं, विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं तथा सामूहिक रूप से पर्व-त्यौहार मनाते हैं।



नृत्य, गीत-संगीत और सामूहिक उत्सवों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। उन्होंने इस समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने के लिए समाज के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृति, परंपरा, संविधान और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल उद्देश्य समाज में सुख-शांति, आनंद और प्रेम बनाए रखना है। इस दृष्टि से आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था अत्यंत सुंदर और उत्कृष्ट है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने आदिवासी समाज की पारंपरिक न्याय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों में मांझी और अन्य पारंपरिक प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। परिवारों के बीच विवाद, जमीन-जायदाद से संबंधित समस्याएं अथवा आपसी मतभेद होने पर लोग मांझी के पास जाते हैं। मांझी गांव के लोगों को एकत्रित कर सभी पक्षों की बात सुनते हैं और आपसी सहमति से समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में गांव के प्रमुख व्यक्तियों और बुजुर्गों की सहभागिता से सामूहिक निर्णय लेने की समृद्ध परंपरा रही है। इस व्यवस्था में पीड़ परगना और देश परगना जैसी पारंपरिक संस्थाओं का भी विशेष महत्व रहा है। गांव स्तर पर समाधान नहीं होने पर समस्याओं को पीड़ परगना और आवश्यकता पड़ने पर देश परगना के समक्ष रखा जाता था।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि पहले लगभग 50 से 52 गांवों को मिलाकर एक पीड़ की व्यवस्था हुआ करती थी। बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए समाज के लोग कई दिनों तक सामूहिक बैठकें करते थे। कभी-कभी सात से आठ दिनों तक लगातार विचार-विमर्श चलता था और समाधान निकलने तक प्रयास जारी रहते थे। यह परंपरा आदिवासी समाज की एकता, सामूहिक जिम्मेदारी और आपसी विश्वास को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक न्यायिक व्यवस्था में समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस, थाना और न्यायालयों का सहारा लिया जाता है। कई मामलों में न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया लंबी हो जाती है और इसमें समय तथा धन दोनों खर्च होते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ विवादों के समाधान में दस-बीस या तीस वर्ष तक लग जाते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि जहां संभव हो और कानून के अनुरूप हो, वहां समाज के लोग आपसी बातचीत, सहमति और पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था के माध्यम से विवादों का समाधान करने का प्रयास करें। उन्होंने मुरिया दरबार की इस ऐतिहासिक परंपरा को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अलग-अलग दायित्व हैं, जबकि आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था में मांझी सामाजिक नेतृत्व, विवाद समाधान और सामुदायिक निर्णयों से जुड़ी अनेक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति में आध्यात्मिकता, सामूहिकता और प्रकृति के प्रति आस्था का विशेष स्थान है। गांवों में ग्राम देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की प्राचीन परंपरा रही है। समाज के लोग एकजुट होकर गांव की सुख-समृद्धि, खुशहाली, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना करते हैं।

मुरिया दरबार के राजनीतिकरण के आरोप पर मुख्यमंत्री साय का पलटवार

"कांग्रेसी बताएं जनजाति समाज के लिए क्या किया?"



रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुरिया दरबार के राजनीतिकरण के आरोप पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पलटवार किया है.

उन्होंने कहा कि जिस जनजाति समाज का कांग्रेस ने लगातार वोट बैंक के रूप के उपयोग किया, आज वह समाज कांग्रेस को छोड़ चुका है. जनजाति समाज का हम लगातार विकास कर रहे हैं. कांग्रेस के लोग बताएं कि इतने साल देश में राज किया, तब जनजाति समाज के लिए क्या किया?

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के साथ जगदलपुर के लिए रवाना होने से पहले रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चर्चा की. इस दौरान उन्होंने दौरे को लेकर कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक दिन है. बस्तर में सब से लंबा बस्तर दशहरा मनाया जाता है. पहली बार देश की राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में शामिल हो रही है. नक्शे देखें

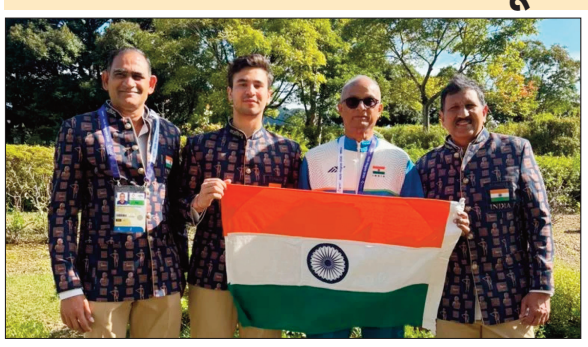
मुरिया दरबार विवाद

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की करीब 700 साल पुरानी परंपरा मुरिया दरबार के नाम को लेकर विवाद तब खड़ा हुआ, जब बस्तर दशहरा के कार्यक्रमों की जानकारी देने वाले प्रशासनिक पाम्पलेट में मुरिया दरबार की जगह 'आम दरबार' छाप दिया गया. इसके बाद सोशल मीडिया में यह बातें तैरने लगी और जमकर इस बदलाव को लेकर सवाल उठने लगे. मामला गरमाने के बाद जिला प्रशासन ने सोमवार को नया पाम्पलेट जारी किया है, जिसमें 'आम दरबार' की जगह फिर से 'मुरिया दरबार' नाम दर्ज किया गया है.

मुरिया दरबार बस्तर की ऐतिहासिक और पारंपरिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है.

जापान में लहराया छत्तीसगढ़ का परचम

पैरा एशियन गेम्स में अभिजीत सखूजा ने जीता कांस्य पदक



बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में बिलासपुर के अभिजीत सखूजा ने पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है. जापान में पैरा एशियन गेम्स का आयोजन 18 से 24 अक्टूबर तक हो रहा है. टूर्नामेंट में अभिजीत सखूजा ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा. क्वालीफाइंग राउंड के तीनों मुकाबलों में एकतरफा जीत दर्ज की. इसके बाद उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के चेन फेंगफेई को 21-12, 21-8 से हराया.

क्वार्टर फाइनल में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और भारतीय खिलाड़ी सूर्यकांत यादव को सीधे सेटों में 21-16 व 21-12 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की. सेमीफाइनल में उनका मुकाबला विश्व के नंबर-2 खिलाड़ी शिवकुमार नवीन से हुआ. अभिजीत ने महज 21 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल कर प्रदेश के सबसे युवा पैरा एशियन गेम्स मेडलिस्ट बनने का गौरव भी हासिल किया है.

ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स व एशियन गेम्स में हमारे खिलाड़ी लगातार अपना लोहा मनवा रहे हैं. हॉकी खिलाड़ी रेणुका यादव प्रदेश की पहली महिला ओलंपियन बनीं. 2026 में हमारे तीन खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमके हैं. इसमें पहला नाम राजनांदगांव की ज्ञानेश्वरी यादव का है, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता. वहीं, एशियन गेम्स में कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी ने भारत को गोल्ड दिलाने में अहम भूमिका निभाई. अब अभिजीत ने भी कांस्य पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है.



अक्षय कुमार के लाडले आरव संग छुट्टियां मना रहीं अनन्या पांडे, साथ में की बेकिंग, दिखाई झलक

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने अपनी छुट्टियों की एक झलक शेयर की है, जिसमें वह अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव भाटिया के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की यह तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। खास बात यह है कि आरव आमतौर पर लाइमलाइट और मीडिया की नजरों से दूर रहना पसंद करते हैं। ऐसे में अनन्या के साथ उनकी यह तस्वीर लोगों का ध्यान खींच रही है।

अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आरव के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में दोनों साथ बैठे नजर आ रहे हैं और उनके चेहरे पर प्यारी-सी मुस्कान है। दोनों ने अपनी उंगलियों पर बेक किए हुए छोटे-छोटे ट्रीट्स पकड़े हुए हैं। तस्वीर से ऐसा लग रहा है कि दोनों ने साथ में कुछ खाने की चीजें तैयार की हैं या फिर बेकिंग का आनंद लिया है। इस फोटो के साथ अनन्या ने मजेदार अंदाज में लिखा, 'दोस्तों मेरी बेकिंग अप्रूव हो गई है,' यानी एक्ट्रेस को अपनी बेकिंग के लिए आरव से मंजूरी मिल गई है। उनके इस कैप्शन से अंदाजा लगाया जा सकता है कि तस्वीर के पीछे बेकिंग से जुड़ा कोई दिलचस्प पल रहा होगा। हालांकि दोनों किस जगह छुट्टियां मना रहे हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।



तस्वीर में आरव ग्रे रंग का पैटर्न वाला निट कार्डिगन पहने नजर आए। इसके साथ उन्होंने डार्क शर्ट पहनी हुई थी। वह कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे थे और उनके हाथ में बेक किए हुए मफिन्स का एक पारदर्शी कंटेनर दिखाई दे रहा था। वहीं, अनन्या उनके बगल में बैठी थीं। उन्होंने नीले रंग के टेक्स्ट वाली डार्क ब्राउन ओवरसाइज्ड जिप-अप हुडी पहनी हुई थी। दोनों का यह कैजुअल अंदाज तस्वीर को और भी सहज बनाता है। यह किसी पब्लिक इवेंट की तस्वीर के बजाय छुट्टियों के दौरान बिताए गए निजी पल की झलक लगती है। आरव की मौजूदगी इसलिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि वह फिल्मी दुनिया से जुड़े परिवार से होने के बावजूद सार्वजनिक तौर पर कम ही दिखाई देते हैं। अनन्या और आरव की यह तस्वीर रेडिट पर भी चर्चा में आ गई। तस्वीर को लेकर यूजर्स ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने आरव के लुक पर टिप्पणी की, जबकि कई यूजर्स ने उनके प्रति सहानुभूति जताई और कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर बेवजह आलोचना का सामना करना पड़ता है। एक यूजर ने आरव के लुक पर अपनी राय रखते हुए लिखा कि क्या सिर्फ उसे ही आरव आकर्षक नहीं लगते, हालांकि उसने यह भी कहा कि वह परफेक्ट दिखते हैं।

एक अन्य यूजर ने आरव का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर काफी बुरी टिप्पणियां झेलनी पड़ती हैं, जबकि वह अभिनय की दुनिया का हिस्सा भी नहीं हैं। वहीं एक दूसरे यूजर ने उनके लुक की तुलना एआई से तैयार तस्वीर जैसी होने से की। इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि आरव की तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर मिली-जुली राय देखने को मिली। हालांकि किसी की निजी तस्वीर पर टिप्पणी करते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि लगातार व्यक्तिगत आलोचना किसी के लिए भी असहज हो सकती है।

बिग बॉस 20 में फूट-फूटकर रोईं माही विज इमोशनल हुए एक्स हसबैंड जय भानुशाली

मुंबई (एजेंसी)। बिग बॉस 20 के हालिया एपिसोड में उस वक्त माहौल भावुक हो गया, जब अरिशफा खान के साथ बहस के बाद माही विज भावुक हो गईं और फूट-फूटकर रोने लगीं। अपने साथी कंटेस्टेंट्स से बातचीत के दौरान, माही ने एक सिंगल मदर होने की चुनौतियों के बारे में बात की। यही नहीं, उन्होंने जय भानुशाली के साथ अपने तलाक के बारे में भी बात की और उन्होंने बताया कि क्यों उन्होंने अपने जय भानुशाली से गुजारा-भत्ता (एलिमनी या मेंटेनेंस) लेने से क्यों इनकार कर दिया था। माही ने बताया कि जज ने भी उन्हें अपने इस फैसले पर फिर से विचार करने की सलाह दी थी, लेकिन उन्होंने जय से एलिमनी नहीं ली, क्योंकि वह जानती हैं कि उन्होंने ये पैसे कितनी मुश्किल से कमाए हैं। माही विज के इस इमोशनल ब्रेकडाउन पर अब जय भानुशाली ने भी रिएक्शन दिया है।

माही विज और जय भानुशाली ने इसी साल शुरुआत में अपने तलाक का ऐलान किया था, लेकिन तलाक के बाद भी दोनों के बीच की दोस्ती कायम है। माही विज इन दिनों बिग बॉस हाउस में हैं और अपने गेम को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। दूसरी तरफ जय भानुशाली बाहर अपनी बेटी तारा का ध्यान रख रहे हैं और साथ ही माही का खुलकर सपोर्ट कर रहे हैं। वह अक्सर माही के सपोर्ट में पोस्ट साझा करते रहते हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। माही विज के इमोशनल ब्रेकडाउन के बाद अब जय भानुशाली ने एक पोस्ट साझा करते हुए अपना सपोर्ट जाहिर किया है।

हालिया एपिसोड में माही विज को रोते देखने के बाद जय भानुशाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने माही को स्ट्रॉन्ग रहने को कहा और साथ ही ये भी बताया कि कैसे दोनों के बीच कभी भी पैसों को लेकर मुद्दा नहीं बना।

नी देओल की 'सूर्या' से टकराएगी ईशा की 'प्रताप'



मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड में बीते हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी टक्कर देखने को मिली। एक साथ सिनेमाघरों में तीन फिल्में रिलीज हुईं और अब आने वाले समय में दो और फिल्में आमने-सामने नजर आएंगी। खास बात तो ये है कि आमतौर पर जहां बड़े स्टार्स बॉक्स ऑफिस पर आमने-सामने होते हैं तो इस बार दो भाई-बहन के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। नवंबर में सिनेमाघरों में ऐसा संयोग बन रहा हैं, जहां एक ही परिवार के दो सदस्य आमने-सामने होंगे। एक तरफ सनी देओल स्टारर 'सूर्या- अंत से आरंभ तक' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है तो दूसरी तरफ हैं उनकी बहन ईशा देओल, जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और उनकी फिल्म 'प्रताप' भी ठीक उसी दिन रिलीज होने वाली है, जिस दिन सनी देओल की फिल्म रिलीज हो रही है। जी हां, दोनों ही फिल्में नवंबर में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। आमने-सामने होंगी सनी देओल-ईशा देओल की फिल्में

12 अक्टूबर को सनी देओल की फिल्म 'सूर्या- अंत से आरंभ तक' के निर्माताओं ने एक मोशन पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की थी, जिसके अनुसार ये फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ये एक गंभीर क्राइम थ्रिलर है, जिसके साथ सनी देओल दर्शकों के सामने आएंगे, वहीं 'प्रताप' की बात करें तो इस फिल्म में अमित साध लीड रोल में दिखाई देंगे और एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में अमित साध के साथ ईशा देओल अहम भूमिका में हैं और कुछ घंटे पहले ही मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की है, जिसके अनुसार 'प्रताप' भी 20 नवंबर को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

प्रभास के जन्मदिन पर हुई सरप्राइज की बारिश, 'कल्कि' के सीक्वल से लेकर 'फौजी' तक पर आया अपडेट

मुंबई (एजेंसी)। साउथ सुपरस्टार प्रभास की अब साउथ में ही नहीं, हिंदी भाषी दर्शकों के बीच भी जबरदस्त क्रेज है। 'बाहुबली' की सफलता के बाद प्रभास ने पैन इंडिया स्टार के तौर पर अपनी पहचान बनाई और अब उनकी फिल्मों का इंतजार हर किसी को रहता है। 'फौजी' से लेकर 'स्पिरिट' तक, आने वाले समय में प्रभास की बैक टू बैक कई फिल्में आने वाली हैं, जिसे लेकर उनके फैंस उत्साहित हैं। इस बीच आज, सुपरस्टार के जन्मदिन पर उनके फैंस को जबरदस्त सरप्राइज मिल रहे हैं। एक तरफ 'फौजी' के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है तो वहीं 'कल्कि' के निर्माताओं ने भी सीक्वल के शूटिंग की बीटीएस झलक साझा करते हुए फैंस का दिन बना दिया है।

आज, 23 अक्टूबर को 'फौजी' के निर्माताओं ने फैंस को खास तोहफा दिया



है। मेकर्स ने फिल्म से नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें आग की लपटों के बीच एक सुनहरा सिक्का नजर आ रहा है। इस सिक्के पर सैनिक की तस्वीर बनी है और ये सैनिक कोई और नहीं प्रभास हैं। पोस्टर पर 'ए बटालियन हू फाइट्स अलोन' और 'मोस्ट वॉन्टेड सिंस 1939' लिखा है। इसी के साथ एक फाइल नंबर 025 का भी जिक्र है, जिसके राज से फिलहाल पर्दा नहीं उठाया गया है। मेकर्स ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा- 'फाइल नंबर 025 से जुड़ा सवाल- वो कौन है? का जवाब आज एक वोडियो के जरिए दिया जाएगा।' इसी के साथ मेकर्स ने प्रभास को बर्थडे की शुभकामनाएं दी हैं।

एक तरफ जहां 'फौजी' का नया पोस्टर जारी किया गया है तो वहीं 'कल्कि' की टीम ने एक्टर के बर्थडे पर एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है, जिसके कैप्शन में लिखा - 'भारतीय सिनेमा के सुपरहीरो, हर जनरेशन के चहेते और रिबेल स्टार प्रभास को जन्मदिन की बधाई। हम आपके साथ एक और शानदार सिनेमाई सफर के लिए उत्साहित हैं।' 32 सेकेंड के इस बीटीएस वीडियो में क्रू को ब्लू स्क्रीन सेट तैयार करते देखा जा सकता है।

स्क्रीन पर 'भैरव की वापसी' लिखा आता है और इसी बीच प्रभास सेट पर कदम रखते हैं और जैसे ही अश्विन एक्शन बोलते हैं, प्रभास अपने वाहन बुज्जी पर बैठ जाते हैं।

सेहत

किन लोगों को चाय पीने से बचना चाहिए?

भारतीय घरों में ज़्यादातर लोगों के दिन की शुरुआत चाय की गर्म गर्म सिप के साथ होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चाय का सेवन कुछ लोगों के लिए नुस्कानदायक हो सकता है। गैस्ट्रोलॉजिस्ट शुभम वत्स ने बताया है कि किन लोगों को चाय पीने से बचना चाहिए और ज्यादा चाय पीने से सेहत को क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

चाय में मौजूद टैनिन चाय को डार्क कलर और उसे स्वाद में कड़क बनाते हैं। वैसे तो ये तुरंत एनर्जी को बूस्ट करते हैं लेकिन कुछ देर बाद उतनी ही जल्दी लो डाउन फील करा सकते हैं। दरअसल, चाय में मौजूद टैनिन एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं लेकिन इनका ज़्यादा सेवन करने से गैस्ट्रिक बैरियर इरिटेट होता है जिससे एसिडिटी या जलन महसूस हो सकती है। वहीं, जब चाय में दूध और चीनी मिलाते हैं



तो इससे कैलोरी और शुगर की मात्रा बढ़ती है, जो इंसुलिन स्तर को प्रभावित कर सकती है। कुछ मेडिकल कंडीशन में आपको चाय का सेवन करने से बचना चाहिए। गैस्ट्रोएसोफेजियल रिफ्लक्स डिजीज यानी GERD जूझ रहे लोगों को खासकर गंभीर स्थिति में चाय पीने से बचना चाहिए। वहीं, गर्भवती महिलाओं को भी चाय का सेवन सीमित रखना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद कैफीन प्लेसेंटा के ज़रिए बच्चे तक पहुंच सकता है। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तब भी चाव का सेवन कम या बंद करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा जिन लोगों को एंजायटी या पैनिक अटैक की समस्या है उन्हें बजी कैफीन वाले चाय का सेवन करने से बचना चाहिए।

क्या है चाय पीने का सही तरीका?

अगर आपको कोई मेडिकल कंडीशन नहीं है तब भी आप हर रोज दो कप से ज़्यादा चाय न पिएं। अच्छी नींद के लिए आप पांच बजे के बाद चाय न पिएं। चाय में रिफाइंड शुगर का इस्तेमाल करने से बचें। सुबह उठकर खाली पेट चाय पीना गट हेल्थ के लिए नुकसानदायक है इसलिए सुबह पहले गुनगुना पानी पिएं हल्का नाश्ता करें और फिर चालीस मिनट बाद चाय पियें। चाय को हेवी मील्स के साथ कभी भी न पिएं क्योंकि ये बॉडी में आयरन, ज़िंक और प्रोटीन के अब्सॉर्प्शन को ब्लॉक कर देते हैं। मील लेने से 45 मिनट पहले और बाद में चाय पीने से बचें। **(एजेंसी)।**

ब्रेकफास्ट में झटपट बनाएं वेज चीज सैंडविच

नाश्ते में कुछ झटपट बनाने की सोच रह हैं तो सैंडविच से अच्छा ऑप्शन कुछ हो ही नहीं सकता! वैसे तो घरों मे अक्सर आलू और खीरे टमाटर के साथ ही सैंडविच तैयार किया जाता है। ऐसे में सैंडविच कई तरह के बनाए जाते हैं लेकिन आज हम आपको बता रहे हैं वेज चीज सैंडविच की झटपट बनने वाली रेसिपी-

चीज सैंडविच बनाने की सामग्री

ऑरिगेनो, चिल्ली फ्लेक्स, मक्खन ,प्याज, टमाटर, उबले हुए स्वीट कॉर्न, गाजर, शिमला मिर्च, नमक, काली मिर्च, ब्रेड स्लाइस, पनीर के टुकड़े, हॉट एंट स्वीट सॉस

कैसे बनाएं

इसे बनाने के लिए एक पैन में 1 बड़ा चम्मच मक्खन गरम करें, उसमें प्याज डालें और सुनहरा भूरा होने तक भूनें। फिर टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें। मध्यम आंच पर कुछ देर पकाएं। फिर इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न, गाजर, शिमला मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। मध्यम आंच पर 1 - 2 मिनट तक पकाएं।

अब इसमें नमक, काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं। पकाएं और आंच से उतार लें। इसे



लगभग 10 मिनट तक ठंडा होने दें।

अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उस पर 2 चीज स्लाइस रखें। फिर उस पर तैयार स्टफिंग डालकर अच्छी तरह फैला लें। इसके ऊपर थोड़ी हॉट एंड सोर सॉस डालें। ऊपर से और 2 चीज स्लाइस रखें।

इसे दूसरी ब्रेड से ढक दें। अब एक पैन में थोड़ा सा मक्खन गरम करें, उस पर तैयार टोस्ट डालें। इसे मक्खन से ब्रश करें। मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। अब इसे आंच से हटाकर बोर्ड पर रखें और टुकड़ों में काट लें। सॉस के साथ सर्व करें।

बैड कोलेस्ट्रॉल के अलावा भी दिल को नुकसान पहुंचा सकते हैं ये 6 कारण

शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का का मतलब है आपके दिल की धमिकयों में ब्लॉकेज की वजह से उसका कमजोर होना। लेकिन क्या आप जानते हैं सिर्फ बैड कोलेस्ट्रॉल की वजह से ही दिल कमजोर नहीं होता है। गोरखपुर स्थित रीजेंसी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट-कार्डियोलॉजी डॉक्टर प्रियंका सिंह, बता रही हैं बैड कोलेस्ट्रॉल के अलावा किन वजहों से आपका हार्ट कमजोर हो सकता है?

बैड कोलेस्ट्रॉल के अलावा किन वजहों से हो सकता है हार्ट अटैक:

ब्लड प्रेशर - हार्ट कमजोर होएं के पीछे हाई बीपी भी एक बहुत बड़ी वजह है। लंबे समय तक हाई बीपी की वजह से धमनियों पर लगातार दबाव पड़ता है, जिससे हार्ट को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए, समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करवाना और इसे नियंत्रित रखना दिल की लंबी उम्र के लिए ज़रूरी है।

ब्लड शुगर - डायबिटीज या बॉर्डरलाइन शुगर होने पर हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ग्लूकोज का बढ़ा हुआ स्तर रक्त वाहिकाओं को कमजोर कर सकता है। इसलिए, सिर्फ कोलेस्ट्रॉल की चिंता करने के बजाय ब्लड शुगर के स्तर पर भी नजर रखना बेहद जरूरी है।

नींद की कमी- कम सोने या खराब स्लीप पैटर्न के कारण शरीर में तनाव के हॉर्मोन बढ़ते हैं और ब्लड प्रेशर पर नकारात्मक असर पड़ता है। रोजाना 7 से 8 घंटे की गहरी और गुणवत्तापूर्ण नींद लेना दिल को रीचार्ज करने और उसे स्वस्थ रखने के लिए एक अचूक उपाय है।

सुस्त जीवनशैली - सुस्त या आरामदेह जीवनशैली दिल की मांसपेशियों को कमजोर बना सकती है। नियमित रूप से एक्सरसाइज, योग या तेज कदमों से वॉक न करने पर शरीर में कैलोरी और चर्बी जमा होने लगती है, जो मोटापे और दिल की बीमारियों को न्योता देती है।

तंबाकू और सिगरेट- तंबाकू या सिगरेट का सेवन दिल की सेहत के लिए सबसे बड़े और घातक खतरों में से एक है। इसमें मौजूद हानिकारक रसायन धमनियों को संकुचित करते हैं, रक्त के थक्के जमाने में मदद करते हैं और हृदय तक ऑक्सीजन की आपूर्ति को बाधित करते हैं। **(एजेंसी)।**

बच्चों को हड्डियों को कैसे मजबूत बनाएं, किन लक्षणों को नजरअंदाज करना है खतरनाक

आजकल माता पिता बच्चों की लंबाई पर पूरा ध्यान देते हैं, लेकिन लंबाई हड्डियों के विकास से जुड़ी हुई होती है। बच्चों का हेल्दी डेवलपमेंट सिर्फ उनकी लंबाई और वजन बढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी हड्डियों, मांसपेशियों और जोड़ों का सही विकास भी उतना ही जरूरी है। बचपन में हड्डियों का मजबूत होना आगे चलकर बेहतर शारीरिक क्षमता और स्वस्थ जीवन की नींव रखता है। हालांकि, कई बार माता-पिता बच्चों के पैरों में दर्द, चलते समय लंगड़ाने, बार-बार गिरने या फिजिकल एक्टिविटी से बचने जैसे लक्षणों को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। विश्व बाल अस्थि और जोड़ दिवस 2019 के मौके पर डॉक्टर से जानते हैं कि बच्चों की हड्डियों को कैसे मजबूत बनाया जाए।

बच्चों में हड्डियों का विकास क्यों है महत्वपूर्ण?

बचपन ये लेकर युवा अवस्था तक हड्डियों के बनने और मजबूती होने का अहम चरण है। इस वक्त



शरीर में हड्डियों का विकास तेजी से होता है। इसके लिए शरीर में भरपूर कैल्शियम, विटामिन डी, प्रोटीन और बैलेंस डाइट लेना जरूरी है। अच्छी डाइट शरीर को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है। इसके अलावा दौड़ना, खेलना, कूदना और उम्र के हिसाब से शारीरिक गतिविधियां हड्डियों और मांसपेशियों के विकास में मदद करती हैं।

पीडियाट्रिक्स डॉक्टर विवेक जैन (चेयरपर्सन, पीडियाट्रिक्स डिपार्टमेंट डेवलपमेंट एवं प्रिंसिपल डायरेक्टर, बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली) के अनुसार, बच्चों के शारीरिक विकास के दौरान उनकी हड्डियों और जोड़ों की सेहत पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। सही पोषण, धूप में रहना, नियमित खेलकूद और समय-समय पर बच्चे की जांच से हड्डियों के बेहतर विकास को बढ़ाया जा सकता है।

ये लक्षण हो सकते हैं खतरनाक

अगर बच्चों में हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याएं आ रही हैं तो उन्हें नजरअंदाज न करें। लगातार दर्द बने रहना, जोड़ों में सूजन, चलने में परेशानी, लंगड़ाना, हाथ-पैरों की गतिविधियों में कमी या किसी अंग के आकार या बनावट में कोई फर्क दिखे तो ऐसे में बच्चे को तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। अगर बच्चा बार-बार किसी काम को करने से बच रहा है या पहले की तुलना में कम सक्रिय है तो इसका कारण हड्डियों में दर्द या शारीरिक परेशानी भी हो सकती है। हालांकि हल्का दर्द कोई गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता, लेकिन लगातार बने रहने वाला दर्द, सूजन या चलने में परेशानी होने पर डॉक्टर से सलाह लें। अगर बच्चा अचानक से चलना बंद कर दे, तेज दर्द हो या जोड़ों में सूजन के साथ बुखार आए तो डॉक्टर से मिलें।

सही पोषण से मजबूत बनेंगी हड्डियां

बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए खाने में दूध, दही, पनीर, रागी, तिल, दालें और दूसरे हेल्दी भोजन को शामिल करें। शरीर में विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है, इसलिए इसकी पर्याप्त मात्रा का होना जरूरी है। बच्चों में विटामिन डी या कैल्शियम की कमी होने पर जांच कराएं और उसके हिसाब से ही डॉक्टर की सलाह पर बच्चों को सही सप्लीमेंट दें।

बच्चों को खुद से कोई दवा न खिलाएं। बच्चों को फोन और टीवी से दूर रखें और ज्यादा से ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी कराएं। इससे हड्डियां मजबूत होंगी और मांसपेशियों में भी ताकत आएगी।

बढ़ती उम्र के साथ सही निगरानी भी जरूरी

बच्चों में कुछ हड्डी और जोड़ से जुड़ी समस्याएं जन्म से भी हो सकती हैं, जबकि कुछ विकास के दौरान सामने आती हैं। पैरों का असामान्य रूप से मुड़ना, चाल में बदलाव, पैरों की लंबाई में स्पष्ट अंतर या शारीरिक विकास में असामान्यता दिखने पर विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। इसी तरह, खेलकूद के दौरान लगी चोट को केवल सामान्य दर्द समझकर लंबे समय तक टालना भी उचित नहीं है। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शनिवार 24 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

शासकीय राशन दुकान मचखण्डा के संचालन हेतु आवेदन 30 तक

बिलासपुर। शासकीय उचित मूल्य की दुकान मचखण्डा के आबंटन के लिए 30 अक्टूबर 2026 तक शाम 5 बजे तक बंद लिफाफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्पस) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ संस्था के पंजीयन की सत्यापित प्रतिलिपि, बैंक खाते की सत्यापित प्रतिलिपि, विगत 3 माह का बैंक स्टेटमेंट, दुकान संचालन संबंधी संस्था द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रतिलिपि, संस्था द्वारा विगत तीन माह में की गई गतिविधियों के संबंध में समूह का कार्यवाही, प्रस्ताव पंजी की सत्यापित प्रतिलिपि एवं संस्था प्रमुख द्वारा आवेदन के संबंध में निष्पादित शपथ पत्र मूलतः संलग्न करना अनिवार्य है।

नगर पंचायत प्रेमनगर की निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन

सूरजपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में नगर पंचायत प्रेमनगर के आम निर्वाचन 2026 के लिए निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक नगर पंचायत के सभी 15 वार्डों के मतदान केंद्रों में किया गया है। मतदाता संबंधित मतदान केंद्र पर निर्वाचक नामावली का अवलोकन कर अपने एवं परिवार के पात्र सदस्यों के नाम की जांच कर सकते हैं। नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन से संबंधित दावा-आपत्तियां 30 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 3 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। वहीं, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया 11 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्वाचक नामावली का अवलोकन कर निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक आवेदन प्रस्तुत करें तथा पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करें।

जमीन विवाद पर मारपीट

महासमुंद। ग्राम सलडीही में जमीन विवाद को लेकर मारपीट का एक और मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार 62 वर्षीय धनु भोई की शिकायत पर राजेश भोई सहित तीन अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जमीन विवाद को लेकर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्का से मारपीट की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जान से मारने की धमकी

महासमुंद। कोमाखान में चलती गाड़ी में रास्ता रोककर मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार कमलेश सारथी उर्फ राजा ने शिकायत में बताया कि आरोपी साहिल खान ने उसे अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्का से मारपीट की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता, सामूहिक आस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक : द्रौपदी मुर्मु

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनूठा उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी को नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह सामूहिक सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का असाधारण उदाहरण है।

जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को अवसर देना आवश्यक

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज में अपार प्रतिभा और संभावनाएं हैं। उचित अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध होने पर जनजातीय समाज के बेटे-बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में जनजातीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिलने से बस्तर के युवा भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या से मुक्ति और सुरक्षा एवं विकास के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की पीड़ा से मुक्त होकर यह क्षेत्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के युवा और जनजातीय समुदाय के लोग अपनी प्रतिभा, परिश्रम और सहभागिता से देश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दंडकारण्य की सांस्कृतिक स्मृतियों में रची-बसी है बस्तर की विरासत

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बस्तर क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण में इस अंचल का संबंध दंडकारण्य से जोड़ा जाता है। भगवान श्रीराम के वनवास से संबंधित अनेक प्रसंग इस क्षेत्र की सांस्कृतिक स्मृतियों में विद्यमान हैं। माता शबरी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, माता सीता की पवित्रता और माता शबरी की भक्ति से प्रेरणा लेकर समाज को नैतिकता, मर्यादा और



मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। बस्तर की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

प्रकृति संरक्षण जनजातीय जीवन दर्शन का अभिन्न हिस्सा

राष्ट्रपति ने जनजातीय समाज की प्रकृति पूजा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि पेड़-पौधों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान इस समाज की विशिष्ट पहचान है। जनजातीय परंपराओं में पेड़-पौधों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा जाता है। प्रकृति हमें ऑक्सीजन, जल, फल, फूल, भोजन और औषधियां प्रदान करती है। इसलिए प्रकृति की पूजा के साथ-साथ उसका संरक्षण और संवर्धन भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जंगल, पहाड़ और प्राकृतिक संसाधन अमूल्य धरोहर हैं। इनका उपयोग आवश्यकता के अनुरूप करते हुए इनके संरक्षण और क्षतिपूर्ति की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। एक वृक्ष को विकसित होने में कई दशक लगते हैं, इसलिए वनों की रक्षा और अधिकाधिक पौधरोपण भविष्य की पीढ़ियों के लिए जरूरी है। उन्होंने सभी नागरिकों, विशेषकर जनजातीय समाज के लोगों से अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने और जंगलों को हरा-भरा बनाए रखने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं। जनजातीय उद्यमियों को वित्तीय सुविधाओं और बाजार से जोड़ने के प्रयास समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर उपलब्ध कराकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में जनजातीय समाज की भागीदारी और अधिक मजबूत होगी।

बस्तर दशहरा के पारंपरिक अनुष्ठानों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कुटुम्ब जात्रा के माध्यम से ग्राम देवी-देवताओं की विदाई तथा 27 अक्टूबर को माँ दंतेश्वरी और देवी मावली की डोली विदाई जैसे आयोजनों को इस उत्सव की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का परिचायक बताया। उन्होंने माँ दंतेश्वरी से बस्तरवासियों के उज्ज्वल भविष्य, छत्तीसगढ़ की प्रगति और समग्र विकास की कामना की।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बस्तर दशहरा और विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक मूल्य हमारी सभ्यता एवं संस्कारों में गहराई से रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिकता जनजातीय समाज की जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। गांवों में सामाजिक निर्णय मिल-बैठकर लिए जाते हैं। बड़ों की बात सुनना और प्रत्येक व्यक्ति की आवाज को सम्मान देना जनजातीय समाज की सहज परंपरा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि बस्तर दशहरा अपनी भव्यता के साथ समाज को साथ लेकर चलने की सीख भी देता है। रथ के लिए लकड़ी लाने से लेकर उसके निर्माण और संचालन तक विभिन्न गांवों एवं समुदायों के लोग अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। राजशाही की समाप्ति के बाद भी यह परंपरा निरंतर जारी रही और जनतांत्रिक संवाद के सशक्त मंच के रूप में विकसित हुई।

उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा और मुरिया दरबार यह संदेश देते हैं कि संवाद ही समाधान का मार्ग है। जब शासन और समाज आमने-सामने बैठकर चर्चा करते हैं, तब कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। उन्होंने मांझी, मुखिया, पुजारी, कारीगरों, रथ निर्माताओं, कलाकारों और स्थानीय प्रशासन सहित उन सभी लोगों के योगदान की सराहना की, जिनके सामूहिक परिश्रम और श्रद्धा से यह विश्वप्रसिद्ध परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का माँ दंतेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित बस्तर दशहरा उत्सव में स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का बस्तर की धरती से गहरा जुड़ाव रहा है। इसी वर्ष फरवरी में उन्होंने बस्तर पंडुम का शुभारंभ किया था। इसके बाद बस्तर पंडुम के विजेताओं को सम्मानित करने के साथ राष्ट्रपति भवन आमंत्रित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। आज बस्तर दशहरा में उनकी उपस्थिति से समस्त बस्तरवासियों का उत्साह बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरिया दरबार जनजातीय संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराओं की सुंदर अभिव्यक्ति है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला बस्तर दशहरा बस्तर की लोक संस्कृति का आईना है। इसकी रस्में जनजातीय समाज में निहित समतामूलक विचारों, सामूहिक सहभागिता और आपसी विश्वास को प्रदर्शित करती हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी से देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मंदिर में माँ दंतेश्वरी के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छत्तीसगढ़ प्रवास के पश्चात रायपुर से हुईं रवाना



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के समापन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल, रायपुर से रवाना हुईं। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति को आत्मीय विदाई दी। विमानतल पर मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का दूसरा दिन : मैनपाट टाइटन्स और बैलाडिला बुल्स के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ

प्रहलाद बने 'स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच', करण धनुक को 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' का पुरस्कार

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के दूसरे दिन आज पहले मैच में कड़े मुकाबले के बीच मैनपाट टाइटन्स और बैलाडिला बुल्स के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। पहले दो क्वार्टर्स में ओलंपियन प्रदीप मोर की टीम मैनपाट टाइटन्स का दबदबा रहा, जबकि आखिरी दो क्वार्टर्स में ओलंपियन चिंगलेनसाना सिंह की टीम बैलाडिला बुल्स ने बेहतर खेल दिखाया। शानदार खेल के लिए प्रहलाद को 'स्ट्राइकर ऑफ़ द मैच' चुना गया, जबकि करण धनुक को 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' का पुरस्कार मिला।

मैच का पहला हमला चौथे मिनट में देखने को मिला। मैनपाट के खिलाड़ियों ने सर्कल में प्रवेश तो किया, लेकिन विपक्षी डिफेंडरों ने आसानी से गेंद को बाहर निकाल दिया। इसके बाद जवाबी हमले में बैलाडिला बुल्स ने भी सर्कल में जगह बनाई, लेकिन उनके पास डिफेंस को चुनौती देने के लिए पर्याप्त ताकत नहीं थी। मैच के 7वें मिनट में मैनपाट के पास गोल करने का एक बेहतरीन मौका आया, जब प्रहलाद टांडी को सर्कल के अंदर गेंद मिली, लेकिन बैलाडिला बुल्स के गोलकीपर ने तेजी से आगे आकर इस मौके को नाकाम कर दिया।

लगातार हमलों के बीच बैलाडिला को अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे संदीप ठाकुर ने गोल में बदल दिया। यादव अपनी बाईं ओर नहीं जा सके, जबकि गेंद उनके काफी करीब थी। बहरहाल, पहला क्वार्टर बिना किसी और हलचल के समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में मैनपाट ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया। हालांकि ज्यादा मौके नहीं बने थे, लेकिन हाफ-टाइम से कुछ मिनट पहले प्रवीण यादव ने गोल कर दिया। प्रहलाद ने सर्कल के अंदर शानदार दौड़ लगाई और प्रवीण ने गेंद को बेहतरीन तरीके से डिफ्लेक्ट करके गोल में बदल दिया। हाफ-टाइम तक स्कोर 2-0 हो गया था।

शुरुआती बढ़त मिलने के बाद ऐसा लग रहा था कि मैनपाट अपना दबदबा बनाए रखेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बैलाडिला ने लगातार हमले कर विपक्षी डिफेंस पर दबाव बना दिया। उन्होंने कई बार सर्कल के अंदर प्रवेश किया और आखिरकार उनकी लगातार कोशिशों का फल उन्हें मिला। जसकरण सिंह सर्कल के काफी अंदर तक गए और उन्होंने राहुल यादव की तरफ गेंद फ्लिक की, जिसे राहुल ने गोल में बदल दिया। पिछले क्वार्टर की लय को बरकरार रखते हुए जसकरण ने चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। सर्कल के बाहर से लगाए गए एक 'टोमाहॉक' शॉट की वजह से बैलाडिला को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे मैनपाट के गोलकीपर अल्फ़ाज़ खान ने रोक दिया।

मैनपाट के प्रहलाद को सर्कल के अंदर कुछ खाली जगह मिली, जहाँ से उन्होंने एक 'रिवर्स फ्लिक' के ज़रिए अपनी टीम के लिए गोल कर दिया। मैच के अंत के करीब बैलाडिला के निहाल हुसैन अंसारी ने पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड पर शॉट लगाकर अपनी टीम के लिए बराबरी का गोल किया।

विधायक रोहित साहू ने ली अधिकारियों की बैठक, क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

राजिम (दैनंदिनी ब्यूरो)। राजिम विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करने हेतु विधायक रोहित साहू ने राजिम विश्राम गृह में आवश्यक बैठक ली। इस बैठक में राजस्व विभाग,लोक निर्माण विभाग,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, विद्युत विभाग, वन विभाग और सेतु निर्माण सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में नगर पालिका राजिम के अध्यक्ष महेश यादव भी विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना, विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनाना और निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं व समस्याओं का त्वरित निराकरण करना था।

विधायक रोहित साहू ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि क्षेत्र में हो रहे सभी सड़क निर्माण कार्य तय समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिलना हमारी प्राथमिकता है निर्माण कार्यों में





किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की कि वे मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें।

विधायक रोहित साहू ने कहा कि हमारा एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राजिम विधानसभा क्षेत्र के हर कोने तक पक्की, मजबूत और अच्छी सड़कें पहुंचे। सड़क विकास की पहली सीढ़ी होती है, और जब सड़कें बेहतर होती हैं, तो व्यापार, स्वास्थ्य और शिक्षा समेत हर क्षेत्र में तरक्की के रास्ते खुलते हैं। मैंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आपसी समन्वय बनाकर काम करें ताकि वन विभाग, विद्युत विभाग या अन्य किसी भी तकनीकी अड़चन के कारण हमारे विकास कार्य न रुकें। काम पूरी पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता और तय समयसीमा के भीतर होना चाहिए, ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके और राजिम विधानसभा प्रगति के पथ पर लगातार आगे बढ़े।

:- संपादकीय :-

सुको के फैसले से मतांतरण पर कुछ तो रोक लगेगी

देश में अवैध मतातंरण एक ऐसी समस्या है जिस पर रोक लगाने की जरूरत है लेकिन राज्य व केंद्र सरकारों के तमाम प्रयासों के बाद भी इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग सकी है।कई तरह के कानून बनाए गए,गांवों में कई तरह की रोक लगाई गई लेकिन अवैध मतांतरण पहले भी होता रहा है और आगे भी होता रहेगा।इसका मकसद होता है कि धर्म विशेष के लोगों की संख्या कर अपने धर्म के लोगो की संख्या बढ़ाई जाए ताकि बाद मे संख्या के बल पर राजनीति को प्रभावित कर सत्ता पर कब्जा किया जा सके। हमारा देश सेकुलर है,यहां सभी को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है,साथ ही यदि कोई स्वेच्छा से दूसरा धर्म अपनाना चाहता है तो उसके लिए वैध प्रक्रिया है,उस वैध प्रक्रिया के जरिए वह अपना धर्म बदल सकता है।समस्या यह है वैध रूप से तो बहुत ही कम लोग अपना धर्म परिवर्तन करते हैं लेकिन अवैध रूप से सबसे ज्यादा धर्म परिवर्तन कराया जाता है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। हाल ही में मतांतरण पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि मतांतरण पर कुछ तो रोक लगेगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मतांतरण के बाद आरक्षण का लाभ लेने के मुद्दे पर एक अहम फैसला देते हुए कहा है कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था से किसी गैर हिंदू सामाजिक व्यवस्था में मतांतरण करने वाला व्यक्ति अपने पुराने सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर संविधान के अनुच्छेद १६(४) के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता।सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि इस्लाम स्वीकार कर लेने मात्र से कोई व्यक्ति राज्य के अधिसूचित मुस्लिम पिछड़ा वर्ग समुदायों में से किसी एक का सदस्य नहीं बन जाता।सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि मतांतरण से पहले की जाति या सामुदायिक पहचान को अपने आप किसी दूसरे धर्म के पिछड़ा वर्ग में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। हिंदू,सिख व बौध्द धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति(एससी) का सदस्य नहीं माना जा सकता।

भोजन की बर्बादी से निपटने की वैश्विक चुनौती?

डॉ. रमेश ठाकुर



भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है।भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी, बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। हालांकि, सफलता उतनी नहीं मिली, जितनी उम्मीदें लगाई गईं थीं। बहरहाल, आज का दिन खाद्य सुरक्षा, पोषण टिकाउ, कृषि पद्धतियों के विषय में ना सिर्फ जागरूक करता है, बल्कि सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता में आने वाली चुनौतियों से लड़ने की सीख भी देता है। भोजन मानव जीवन का आधार है। स्वास्थ्य विकास और कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक भी। हालांकि, दुख तब होता है जब खाद्य उत्पादन में वैश्विक प्रगति के बाद भी असंख्य लोग अभी भी भूख और कुपोषण का सामना कर रहे हैं। भोजन पर सभी का मौलिक अधिकार है, जिसे कोई नहीं छीन सकता। भोजन हीन इंसान को भोजन उपलब्ध करवाना प्रत्येक हुकूमत का पहला कर्तव्य होता है। खानामंगाएं तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है।भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज ह्यविश्व खाद्य दिवसह्ल है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद्य दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत हो। ज्यादा भोजन लेंगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद दिवस-2025 की थीम थी ह्यबेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथह्ल जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है। भोजन बबार्दी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर हैं, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की ह्यफूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026ह्ल सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने, सरसों और सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं।

ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है।भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी, बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्अेबिलाइजेशन फंड जैसी प्रमुख पहले भारत की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं। भारत में 80 करोड़ लोग मुफत अन्न वितरण योजना के लाभार्थी हैं, इसलिए सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं सोए। लेकिन भोजन की बबार्दी भारत में भी कम नहीं है। आंकड़े इस समस्या के गवाह हैं।विश्व खाद्य दिवस संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना का प्रतीक है जिसे पहली बार औपचारिक रूप से 1981 में भोजन सर्वप्रथम विषय वस्तु के साथ मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1984 में इस दिवस को मान्यता दी जिसके बाद एक साथ 150 देशों का समूह बना, जो सामूहिक प्रयासों से भूख और अन्न बबार्दी से लड़ाई लड़ रहे हैं।

सांस्कृतिक चेतना से विकसित भारत तक- डॉ. मोहन भागवत का राष्ट्रचिंतन



– डॉ. श्रद्धा मिश्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के समापन अवसर पर नागपुर में आयोजित विजयादशमी उत्सव में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का उद्बोधन संघ की सौ वर्षों की यात्रा के साथ भारत के सामाजिक चरित्र, सांस्कृतिक चेतना और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी था। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की संस्कृति, सामाजिक एकता, देश के विकास और भविष्य की चुनौतियों पर बात की और सामाजिक संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि देश को अस्थिर करने के प्रयास सफल नहीं होंगे और भारत की एकता एवं स्थिरता को बनाए रखना आवश्यक है।

डॉ. भागवत ने कहा कि विविधताओं के बीच एकता बनाए रखना भारतीय समाज की विशेषता है। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान करना, आपसी विश्वास बढ़ाना और समाज में भाईचारा बनाए रखना जरूरी है।इस उद्बोधन का केंद्रीय प्रश्न यह था कि भारत अपनी सभ्यतागत पहचान को सुरक्षित रखते हुए एक सशक्त, समरस और विश्व का मार्गदर्शन करने वाला राष्ट्र कैसे बने। इस संदर्भ में डॉ. भागवत ने संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित 'हम भारत के लोग' की भावना, स्वबोध, सामाजिक एकात्मता, पंच परिवर्तन, विवेकपूर्ण विकास और नागरिक कर्तव्यों के महत्व को रेखांकित किया। उनके विचारों में राष्ट्र निर्माण को केवल शासन, राजनीति या किसी एक संगठन की जिम्मेदारी न मानकर समाज के सामूहिक प्रयासों और दैनिक आचरण से जोड़ने पर विशेष जोर दिखाई देता है।

वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों की यात्रा केवल एक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि आधुनिक भारत में सामाजिक संगठन, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकात्मता के विकास को समझने का अवसर भी है। इस यात्रा के पीछे हजारों प्रचारकों, लाखों स्वयंसेवकों और अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के लंबे समय के प्रयास रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, वनवासी कल्याण आश्रम, एकल विद्यालय और धर्म जागरण जैसे संगठनों ने शिक्षा, सेवा, सामाजिक जागरूकता तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है।

संघ का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, स्वबोध, सामाजिक समरसता और स्वदेशी के भाव को जागृत कर राष्ट्र को संगठित एवं सशक्त बनाना है संत रविदास, स्वामी श्रद्धानंद, स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती और राजनारायण बसु जैसी महान विभूतियों को याद किया। इन लोगों ने समाज में जागरूकता, सेवा, त्याग और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया।डॉ. भागवत कहा कि भारत की पहचान केवल उसकी राजनीतिक व्यवस्था से नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, इतिहास, परंपराओं और सामाजिक जीवन से भी बनती है।

राष्ट्रीय चेतना को मजबूत बनाना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। हमें अपने इतिहास और संस्कृति को समझना चाहिए तथा वर्तमान की समस्याओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।भारत में अलग-अलग धर्म, पंथ, भाषाएँ, खानपान और रहन-सहन हैं। इसके बावजूद हम सब एक देश के नागरिक हैं। भारत की राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न समुदायों के बीच संवाद, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देना आवश्यक है। सभी नागरिकों के साथ समानता, सम्मान और न्याय का व्यवहार होना चाहिए। जब समाज के प्रत्येक वर्ग में विश्वास, अपनापन और परस्पर सम्मान की भावना विकसित होगी, तभी सामाजिक समरसता मजबूत होगी और राष्ट्रीय एकता को नई शक्ति मिलेगी।

संघ शताब्दी कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी के अवसर पर देशभर में शाखाओं एवं स्वयंसेवकों के संपर्क विस्तार, सामाजिक समरसता और भारत, हिंदुत्व तथा संघ के विचारों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। संपर्क अभियान के अंतर्गत 4,61,527 गाँवों और 41,076 नगरीय बस्तियों मंक 10,19,88,511 घरों तक संपर्क किया गया। देश के 1,117 जिलों में आयोजित प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठियों में 4,26,497 महिला एवं पुरुष शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, 5,036 खंडों में सद्भावना बैठकें, 34,187 मंडलों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए तथा युवा सम्मेलनों में 39,25,225 युवाओं ने भाग लिया।



शताब्दी के निमित्त संघ के कार्यकर्ताओं ने पश्चिमी देशों में भी प्रवास कर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, हिंदुत्व की समावेशी भावना तथा संघ के उद्देश्यों और कार्यों की जानकारी दी। भारत के प्रति विश्व में बढ़ती रुचि के बीच भारतीय दृष्टिकोण को पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विविधता, पारिवारिक मूल्यों और संतुलित उपभोग जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया।

विवेकशील आचरण की आवश्यकता

आज इंटरनेट, सोशल मीडिया और ओटीटी जैसे माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और OTT प्लेटफार्म से बिना छानबीन के मिलने वाली जानकारी के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।इनके माध्यम से जानकारी आसानी से मिलती है, लेकिन गलत जानकारी और अनुचित सामग्री का खतरा भी रहता है।

डॉ. भागवत ने कहा कि बच्चों और युवाओं में सही और गलत को समझने की क्षमता विकसित करना जरूरी है।इस काम में परिवार, स्कूल और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को केवल रोकने-टोकने के बजाय उन्हें सही निर्णय लेना, आत्मसंयम रखना और अपनी जिम्मेदारियों को समझना सिखाना चाहिए।उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर भी चिंता जताई। इस समस्या को दूर करने के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा।

संतुलित और समग्र विकास की दृष्टि

देश के विकास के लिए सड़कें, उद्योग, ऊर्जा परियोजनाएँ और आधुनिक तकनीक आवश्यक हैं, लेकिन प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। डॉ. मोहन भागवत ने हिमालयी क्षेत्रों में विकास और प्राकृतिक आपदाओं के संदर्भ में संतुलित विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। नेपाल की हालिया त्रासदी हमें सचेत करती है कि हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अनियोजित निर्माण और पर्यावरण की अनदेखी गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए विकास ऐसा होना चाहिए, जिसमें आर्थिक प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो

आज भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भी नई संभावनाएँ पैदा हो रही हैं। लेकिन विकास ऐसा होना चाहिए जिससे आम लोगों को लाभ मिले और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधन सुरक्षित रहें।

हिन्दू भाव व हिन्दू स्वभाव — एकता का आधार

सनातन संस्कृति भारत की पहचान है। इसका आधार किसी विशेष पूजा-पद्धति, खान-पान, भाषा, जाति या राजनीतिक विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता, आध्यात्मिकता और विश्वबंधुत्व है। यही भाव भारतीयों को आपस में जोड़ता है और भारत की एकता को मजबूत बनाता है। भारत के प्रति प्रेम, अपने पूर्वजों पर गर्व और सनातन संस्कृति के मूल्यों को जीवन में अपनाना इस भावना के प्रमुख आधार हैं। इस हिन्दू भाव और स्वभाव का संरक्षण भारत की प्रगति, सामाजिक एकता और विश्व में सद्भाव बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

हम सभी भारतवासियों की एकता — स्वाभाविक और बिना शर्त

हम भारतीयों का आपस में और भारत माता से गहरा भावनात्मक रिश्ता है। यह रिश्ता प्रेम, अपनापन और समर्पण पर आधारित है, इसमें कोई शर्त नहीं होती। "तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहें न रहें" इसी निस्वार्थ देशभक्ति की भावना को दर्शाता है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज में इसी अपनत्व और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के लिए कार्य करता है।

समाज के प्रयासों से समाधान

समाज की समस्याओं का समाधान केवल सरकार या आंदोलनों से ही नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और संवाद से भी हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक समाज की भागीदारी से समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। 21 प्रांतों के 210 जिलों के लगभग 1,296 ग्रामीण विद्यालयों में किए गए प्रयासों से विद्यार्थियों की उपस्थिति, पढ़ाई के स्तर और अभिभावकों की भागीदारी में सुधार देखा गया। ग्रामीणों ने शिक्षा, स्कूलों की सुविधाओं, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी योगदान दिया।

सजगता की आवश्यकता

लोकतंत्र में लोगों को अपनी बात रखने, विरोध करने और आंदोलन करने का अधिकार है। सामाजिक समस्याओं को सामने लाने में आंदोलनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।डॉ. भागवत ने कहा कि किसी भी आंदोलन का उद्देश्य समाज की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इसके लिए संवाद, तथ्यों और कानून का सम्मान करना जरूरी है।असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान बातचीत, आपसी सहयोग और जिम्मेदारी से ही निकलता है।

एकता के सूत्रों पर दृढ़ रहें

बंग-भंग के विभाजनकारी षडयंत्र को परास्त करने वाला वन्देमातरम आज भी वही एकता की प्रेरणा देने में सशक्त है; इसे पूरे स्वाभिमान से गाना चाहिए। भारत-भक्ति, पूर्वजों का गौरव और सनातन भारतीय संस्कृति के मानवीय मूल्य—यह त्रिसूत्र सभी पंथ, भाषा और जाति से ऊपर हमें जोड़ता है।

भारत का वैश्विक दायित्व व हमारे कर्तव्य

आज दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, पर्यावरण संकट और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत, जीवन-दृष्टि और अनुभवों के आधार पर विकास का एक ऐसा मार्ग प्रस्तुत कर सकता है, जिसमें आधुनिकता के साथ मानवीय मूल्यों, प्रकृति और सामाजिक संतुलन को भी महत्व दिया जाए।

डॉ. भागवत के विचारों का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी कर्तव्य है। देश की प्रगति में हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभा सकता है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, पर्यावरण को स्वच्छ रखना, समाज में सद्भाव बनाए रखना और जरूरतमंदों की सहायता करना ऐसे छोटे-छोटे प्रयास हैं, जिनका सामूहिक प्रभाव व्यापक होता है

निष्कर्ष

डॉ. मोहन भागवत के विजयादशमी उद्बोधन का केंद्रीय संदेश सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता, जिम्मेदार नागरिकता और संतुलित विकास के महत्व को रेखांकित करता है। भारत की विविधता उसकी विशिष्ट पहचान है। इस को शक्ति में बदलने के लिए समाज में आपसी सम्मान, सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देना आवश्यक है।

आधुनिक तकनीक, आर्थिक प्रगति और वैज्ञानिक सोच को अपनाते हुए हमें अपने नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण की रक्षा पर भी ध्यान देना होगा। विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल भौतिक समृद्धि प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, अवसर और सुरक्षित जीवन मिल सके।

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया केवल बड़े निर्णयों और सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के व्यवहार, विचार और दैनिक कार्यों से भी आकार लेती है। जब नागरिक जागरूक होंगे, समाज संगठित होगा और प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा, तभी भारत एक सशक्त, समरस, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा।

।। भारत माता की जय।।

धान खरीदी की तैयारियां 10 नवंबर तक पूरी करने के निर्देश

कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य विभाग ने आयोजित की बैठक

केंद्र प्रभारियों को दिया गया शासन की गाइडलाइन का प्रशिक्षण







कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को सुचारू, पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए कबीरधाम जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य विभाग ने नवीन धान उपार्जन समितियों एवं केंद्रों के प्रबंधकों और प्रभारियों की बैठक आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 10 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की धान खरीदी संबंधी गाइडलाइन का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए कुल 145 उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की जा रही है। इनमें 108 पूर्व से संचालित तथा 37 नवीन उपार्जन केंद्र शामिल हैं। खरीदी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी केंद्रों में निर्धारित मापदंडों के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

केंद्रों में सुविधाओं के साथ व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर

बैठक में खाद्य अधिकारी ने समिति प्रबंधकों एवं केंद्र प्रभारियों से धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारियों की बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने केंद्रों में सुगम पहुंच मार्ग, कार्यालय भवन, चबूतरे एवं फड़ का समतलीकरण, पेयजल, शौचालय, किसानों के बैठने और विश्राम के लिए छायादार स्थान, सुरक्षा तथा जल निकासी जैसी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा तौल कांटों एवं बाटों का सत्यापन, कंप्यूटर, प्रिंटर, विद्युत व्यवस्था, बारदाना एवं अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। केंद्रों में सूचना पटल, आवश्यक सूचनाओं का प्रदर्शन, प्राथमिक उपचार पेटी तथा सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी निर्धारित मापदंडों के अनुसार करने के निर्देश दिए गए।

पारदर्शी खरीदी और किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केवल वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर की जाए।

व्यापारियों, बिचौलियों एवं कोचियों के माध्यम से धान की अवैध खरीदी-बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सतत निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। धान खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिला प्रशासन का लक्ष्य सभी उपार्जन केंद्रों की तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी कर धान खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनाना है। बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त सहकारिता, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक (सीसीबी) के नोडल अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दशहरा मेले में उपजे विवाद का खौफनाक अंत: चिटौद में सोते वक्त युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के अंतर्गत थाना पुरूर क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जिले के ग्राम चिटौद में दशहरा पर्व के दौरान हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। रावण दहन कार्यक्रम के दौरान हुए झगड़े की रंजिश रखते हुए एक आरोपी ने घर में घुसकर सोते हुए युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ प्राणघातक हमला कर दिया। इस गंभीर घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। यह त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के विशेष निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना के मार्गदर्शन, एसडीओपी गुरुर श्रीमती माया शर्मा के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी पुरूर प्रशिक्षु उपनिरीक्षक इन्द्रजीत सिदार के कुशल नेतृत्व में की गई है।

पुलिस से मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को ग्राम चिटौद में दशहरा पर्व के अवसर पर रावण दहन का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान घायल युवक तोषण निषाद और उसके दोस्तों का किसी बात को लेकर गांव के ही एक अन्य युवक से विवाद हो गया था। इसी पुरानी रंजिश के चलते अगली रात यानी 21 अक्टूबर 2026 को करीब डेढ़ बजे एक व्यक्ति ने प्रार्थी के घर में चुपके से प्रवेश किया और मकान की छत पर सो रहे तोषण निषाद पर चाकू से अचानक हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में तोषण के चेहरे, गले, गर्दन, कंधे और पीठ पर गंभीर और गहरे घाव आए। घटना के बाद परिजनों ने आनन-फानन में घायल को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल धमतरी रेफर कर दिया गया। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है। प्रार्थी गणेश राम निषाद, निवासी ग्राम चिटौद की शिकायत पर थाना पुरूर पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए अपराध क्रमांक 109/2026, धारा 109 एवं 332(ख) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने मामले में संलिप्त विधि से संघर्षरत बालक को तुरंत अपनी अभिरक्षा में लिया और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया।



सीएमएचओ ने बिलाईगढ़ और पवनी के स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पवनी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों, मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. वैष्णव ने मरीजों को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों में संचालित सेवाओं की नियमित निगरानी और व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार करने को कहा। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. जायसवाल, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. रूपेंद्र कुमार साहू, डॉ. प्रकाश कुर्रे, आयुष्मान सलाहकार रोशन सचदेवा, कार्यक्रम प्रबंधक लकेश्वर सिंह बघेल, अमित कुमार साहू, अविनाश कुमार देवांगन सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा।

ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराएं : कलेक्टर

विकसित भारत जीरामजी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं एनआरएलएम सहित अन्य विभागीय कार्यो की हुई समीक्षा





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत जीरामजी योजना के द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराये। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समय पर कार्य पूरा करे एवं मजदूरी भुगतान में विलंब न हो इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती तुलीका प्रजापति द्वारा सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं कार्यक्रम अधिकारियों को दिये गये। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाएं सभी पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे यह सुनिश्चित करें। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने, कार्य की गुणवत्ता सही नहीं होने पर एवं अनियमितता की शिकायत पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। सभी ग्राम पंचायतों में श्रम मूलक कार्यों की स्वीकृति, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम शेड निर्माण कार्य, आजीविका डबरी, तालाब एवं डबरी गहरीकरण, सैण्ड फिल्टर बोरवेल रिचार्ज पीट सहित अन्य कार्यो की कार्यवार समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल भी उपस्थित रहें। प्रधानमंत्री जनमन आवास अंतर्गत पूर्णता हेतु शेष 3493 आवास को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश मैदानी कर्मचारियों को दिये गये। निर्माण अवस्था अनुसार हितग्राहियों को राशि जारी करने कहा गया।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत सभी कार्यों को प्रारंभ कराते हुए समय पर पूरा करने के निर्देश दिये गये। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन हेतु चयनित 62 ग्राम पंचायतों में यूजर चार्ज, कचरा कलेक्शन एवं शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने फिकल स्लूज ट्रिटमेंट प्लांट यूनिट, प्लास्टिक अपशिष्ठ प्रबंधन यूनिट, सामुदायिक शौचालय निर्माण एवं व्यक्तिगत परिवारिक शौचालय की कार्यवार समीक्षा की गई। क्रेडा विभाग के द्वारा निर्मित किये जाने वाले बायोगैस प्लांट की कार्यवार समीक्षा करते हुए सभी निर्माण कार्य को 31 मार्च 2027 के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की जानकारी देते हुए सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि जिले में अब तक 47648 लखपति दीदी बनाई गई है जिनकी सालाना आय 1 लाख रूपये से अधिक है। विशेष परियोजना के तहत चार चिरौंजी प्रसंस्करण इकाई, 56 गांव के तालाबों में मछली पालन एवं ग्रोथ सेन्टर समूह उत्पादकों के पैकेजींग, ब्राडिंग एवं मार्केटींग कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई है। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति समय सीमा में कि जाए। समीक्षा बैठक में कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कवर्धा, सभी सीईओ जनपद पंचायत, सभी अनुविभागीय अधिकारी यांत्रिकी सेवा, सभी कार्यक्रम अधिकारी, विकासखण्ड समन्वयक एवं जिला पंचायत के सभी शाखा प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

सचिव लोक निर्माण विभाग ने डोंगरगांव के पुराने विश्राम गृह का किया निरीक्षण



राजनांदगांव। सचिव लोक निर्माण विभाग मुकेश कुमार बंसल ने आज डोंगरगांव स्थित पुराने विश्राम गृह का निरीक्षण कर भवन एवं परिसर की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुराने विश्राम गृह भवन का लोक निर्माण विभाग के कार्यालय के रूप में उपयोग करने तथा परिसर को व्यवस्थित एवं उपयोगी बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय भवनों एवं परिसरों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। सचिव बंसल ने निरीक्षण के दौरान पुराने विश्राम गृह परिसर में स्थित भवनों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने उपयोग योग्य भवनों की आवश्यक मरम्मत कर उनका कार्यालय एवं भंडारण कक्ष के रूप में उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर एवं अनुपयोगी संरचनाओं को नियमानुसार हटाने तथा परिसर का समतलीकरण एवं साफ-सफाई कराने कहा। उन्होंने मुख्य भवन को विभागीय कार्यालय के रूप में विकसित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी आवश्यक कार्य आगामी 15 से 20 दिनों के भीतर पूर्ण करने तथा इसके लिए उपलब्ध विभागीय मदों से राशि की व्यवस्था करने कहा।

सचिव बंसल ने निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सड़क की स्थिति में सुधार लाने, रोड मार्किंग एवं सेंटर लाइन का कार्य कराने तथा डिवाइडर की साफ-सफाई एवं रंग-रोगन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। गुणवत्ताहीन कार्यों में आवश्यक सुधार कराएं तथा संबंधित ठेकेदार के विरूद्ध नियमानुसार जुर्माना लगाने की कार्रवाई करें। उन्होंने विभागीय कार्यालयों एवं परिसरों के सुव्यवस्थित रखरखाव के संबंध में लिखित निर्देश जारी करने तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख अभियंता विजय भतपहरी, मुख्य अभियंता दुर्ग परिक्षेत्र एन के जयंत, अधिक्षण अभियंता अपर्णा चौरपगार, कार्यपालन अभियंता रितु खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की



राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज न्यू सर्किट हाउस राजनांदगांव में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं लंबित सड़कों, पुल-पुलियों तथा भवन निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। सचिव बंसल ने पुराने एवं लंबित निर्माण कार्यों को आगामी दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के कारण रूके निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने गुणवत्ताहीन एवं समय-सीमा में कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुर्गा प्रसाद अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे।

सचिव बंसल ने जिले में सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यों में आ रही तकनीकी एवं प्रशासकीय समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण कर निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए।

बंसल ने विभिन्न शासकीय भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों के कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनके कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों को दीपावली त्यौहार से पहले मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान समय पर होना चाहिए तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मजदूरी भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सचिव बंसल ने बैठक में कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्य नागरिकों की सुविधाओं एवं क्षेत्र के विकास से सीधे जुड़े हुए हैं। इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

दो अलग-अलग स्थानों पर जुआ रेड में 10 जुआरी गिरफ्तार, 13,350 नगद और ताश पत्ते जब्त



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के अंतर्गत गुण्डरदेही थाना पुलिस ने जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने अलग-अलग इलाकों में दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी करते हुए कुल 10 जुआरियों को रंगे हाथों दबोचा है।

इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से कुल 13,350 रुपये नगद और ताश की गड्डियां बरामद की गई हैं। पुलिस की इस मुस्तैदी से अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है।

यह पूरी सफल कार्रवाई पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के विशेष मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना के निर्देशन, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी गुण्डरदेही श्रीमती श्रुति सिंह के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के सक्षम नेतृत्व में की गई है।

पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर दिनांक 21 अक्टूबर 2026 की रात्रि में ग्राम खुटेरी में एनीकट के पास बिजली पोल के नीचे दबिश दी गई। यहाँ कुछ लोग ताश पत्ती के सहारे पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस टीम ने मौके से 6 आरोपियों को धर दबोचा। इनके कब्जे से 2,550 रुपये नगद और 52 पत्ती ताश जब्त की गई। इस मामले में पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

दूसरी कार्रवाई दिनांक 22 अक्टूबर 2026 को रात्रि लगभग 00:20 बजे ग्राम मोगरी खार में की गई। यहाँ भी जुआ खेले जाने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के पास से 10,800 रुपये नगद तथा 52 पत्ती ताश बरामद की गई। इस प्रकरण में भी छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

प्रकरण क्रमांक 357/2026 के तहत ग्राम खुटेरी में पकड़े गए आरोपियों में वासुदेव साहू, उम्र 31 वर्ष, निवासी ग्राम खुटेरी; चुरामणि साहू, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम खुटेरी, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद (छत्तीसगढ़); यादराम, उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम खुटेरी; उमेश साहू, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम खुटेरी; गोपाल निषाद, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम खुटेरी तथा बेनीराम साहू, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम खुटेरी, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) शामिल हैं।

वहीं प्रकरण क्रमांक 358/2026 के तहत ग्राम मोगरी खार में पकड़े गए आरोपियों में रतन लाल, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम लाटाबोड़, थाना बालोद, जिला बालोद; सोमन्द्र साहू, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम पैरी, थाना गुण्डरदेही; डोमन सेन, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम सांकरी, थाना गुण्डरदेही तथा तामेश्वर साहू, उम्र 39 वर्ष, निवासी ग्राम सांकरी, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) शामिल हैं।

गुण्डरदेही पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में जुआ और अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए इस तरह के अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। साथ ही, पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि उनके आसपास इस प्रकार की कोई भी संदिग्ध गतिविधि संचालित होती है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि एक अपराध-मुक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

30 साल की महिला क्रिकेटर ने किया संन्यास का ऐलान, 2016 में किया था इंटरनेशनल डेब्यू



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। महज 30 साल की उम्र में उनके इस फैसले से खेल जगत और उनके फैंस को एक बड़ा झटका लगा है। मेघना ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की पूरी कोशिश की। मेघना को अपने इंटरनेशनल करियर में कुल 20 मैचों में खेलने का मौका मिला।

आंध्र प्रदेश की रहने वाली सब्बीनेनी मेघना ने साल 2016 में भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने करियर के दौरान कुल मिलाकर सिर्फ 20 इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें 3 वनडे और 17 टी20 मैच शामिल हैं। हालांकि कम मौके मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सभी को काफी प्रभावित किया। वनडे मैचों में उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 114 रन बनाए, जबकि टी20 फॉर्मेट में भी एक फिफ्टी की बदौलत 258 रन अपने नाम किए। इसके अलावा WPL में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी।

मेघना के करियर का सबसे सुनहरा पल साल 2022 का कॉमनवेल्थ गेम्स रहा, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय महिला टीम को सिल्वर मेडल जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही वह साल 2024 में खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहीं।

क्रिकेट को अलविदा कहते हुए मेघना ने सोशल मीडिया पर एक बहुत ही भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि दुनिया के सबसे बड़े मंच पर देश की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने अपने परिवार, कोच, टीम के साथियों और सपोर्ट स्टाफ का दिल से शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने हर मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया। इसके अलावा उन्होंने बीसीसीआई, आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन और अपनी फ्रेंचाइजी टीमों का भी आभार जताया।

मेघना ने अपने संदेश के अंत में कहा कि भले ही उनके खेलने के दिन अब खत्म हो गए हैं, लेकिन क्रिकेट के साथ उनका रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। वह आगे भी खेल से जुड़ी रहेंगी और अपनी जिंदगी आने वाली नई पीढ़ी को गाइड करने तथा खेल की सेवा करने के लिए समर्पित करेंगी।

श्रीलंका ने चेज किए 429 रन, भारत ने भी बना दिए 406 रन, फिर भी वर्ल्ड रिकॉर्ड तो कुछ और ही है



नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट ने गुरुवार को कमाल कर दिया। जो काम टीम ने अपने वनडे क्रिकेट के इतिहास में कभी नहीं किया था, वो अब हो गया। श्रीलंका ने इंग्लैंड के सामने 429 रन चेज कर लिया। इससे पहले अभी कुछ ही दिन पहले भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 406 रन बनाकर मैच जीता था। लेकिन आपको जानकार शायद हैरानी होगी कि इसके बाद भी विश्व कप कीर्तिमान कुछ और ही है। जो अब से करीब 20 साल पहले बना था और अब तक ये टूटा नहीं है।

पाकिस्तान में इस वक्त ट्राई सीरीज खेली जा रही है। इसमें श्रीलंका और इंग्लैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं। गुरुवार को श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच वनडे मुकाबला खेला गया। इसमें पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने 429 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक की ओर से 116 बॉल पर 202 रनों की पारी खेली। ये वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक है। साथ ही अब हैरी इंग्लैंड के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने डबल सेंचुरी मारी है। इंग्लैंड ने इतना बड़ा स्कोर बना दिया कि पहली पारी समाप्त होने के बाद ऐसा लगा कि अब श्रीलंका की टीम ये मैच हार जाएगी, लेकिन कहानी में आगे कुछ और ही लिखना बाकी था।

श्रीलंकाई टीम ने एक गेंद शेष रहते ही 8 विकेट पर 430 रन बनाकर मैच जीत लिया। श्रीलंका के लिए पवन रत्नायके ने 130 रन बनाए, वहीं अविष्का फर्नांडो और दासुन शनाका ने धमाकेदार अंदाज में 97 रनों की पारी खेली। दोनों बल्लेबाज अपने अपने शतक से चूक गए, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने अपनी टीम को जीत के करीब तक पहुंचा दिया। आखिर में आकर जनिथ लियांगे ने केवल 27 बॉल पर ताबड़तोड़ अंदाज में 61 रनों की नाबाद पारी खेली। आखिरी ओवर की पांचवीं बॉल पर लियांगे ने ही छक्का मारकर जीत दिलाई। श्रीलंका के वनडे क्रिकेट के इतिहास में ये सबसे बड़ा रन चेज है।

सितंबर में भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में वनडे मैच खेला गया था। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 405 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। उस वक्त भी ऐसा लग रहा था कि टीम इंडिया ये मैच हार जाएगी, लेकिन भारत ने 43.3 ओवर में ही दो विकेट पर 406 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

इंडिया ए के स्क्वॉड में BCCI ने किया बड़ा बदलाव, 21 साल के शिखर को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के 21 साल के युवा क्रिकेटर शिखर मोहन का चयन 2026 के न्यूजीलैंड दौरे के लिए इंडिया ए की टीम में हो गया है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए बहुत रन बनाए हैं, जिसके दम पर उन्हें यह बड़ी सफलता मिली है। उनके इस चयन से झारखंड क्रिकेट संघ और पूरे राज्य के खेल प्रेमियों में काफी खुशी का माहौल है। मोहन आखिरी के दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम के साथ जुड़ेंगे। यह दौरा उसी समय चलेगा जब सीनियर भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल की सीरीज खेल रही होगी।

शिखर मोहन का प्रदर्शन रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार रहा था। पिछले सीजन में उन्होंने 12 पारियों में एक दोहरे शतक के साथ कुल 613 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने इस सीजन की शुरुआत भी बहुत शानदार तरीके से की है। मोहन ने जारी रणजी सीजन के शुरुआती दो मैचों में 99 की औसत से 297 रन बनाए हैं। इस सीजन में उन्होंने केरल के खिलाफ शानदार 143 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने महाराष्ट्र के खिलाफ 27 और 127 रनों की पारी खेली थी।

रणजी ट्रॉफी के अलावा मोहन ने सितंबर में दलीप ट्रॉफी के फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने ईस्ट जोन की तरफ से खेलते हुए साउथ जोन के खिलाफ मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए थे। इसके अलावा, अक्टूबर में ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की तरफ से खेलते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ पहली पारी में उन्होंने 60 रन बनाए थे। अब देखना ये होगा कि शिखर मोहन को न्यूजीलैंड दौरे पर इंडिया ए के लिए खेलने का मौका मिलता है या नहीं। बता दें कि ऋषभ पंत चोट की वजह से पहले दो मैच से बाहर हो गए हैं।

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहला चार-दिवसीय मैच 24 अक्टूबर से लिंकन में शुरू होगा। इसके बाद दूसरा मैच क्राइस्टचर्च और फिर तीसरा मैच लिंकन में खेले जाएंगे। वहीं, इसके बाद न्यूजीलैंड और भारत के बीच मुख्य टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी।

टूट गया ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का घमंड, सेंचुरी के बाद भी हारी टीम



नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम की हालत खराब है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच भले ही कंगारुओं ने जीत लिया हो, लेकिन साउथ अफ्रीका ने दूसरे ही मैच में पलटवार किया और ऑस्ट्रेलिया को पारी की हार थमा दी। ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम टेस्ट मैच पारी और रनों से हार जाए, लेकिन साउथ अफ्रीका ने इसे मुमकिन कर दिखाया है। इस बीच ट्रेविस हेड का भी घमंड चूर चूर हो गया है। उन्होंने अपनी टीम के लिए सेंचुरी लगाई, लेकिन फिर भी हार गई।

टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम ने 425 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में केवल 99 रन बनाकर ही सिमट गई। इसके बाद उसे फॉलोऑन का सामना करना पड़ा। दूसरी पारी में टीम 295 ही बना सकी। इससे उसे पारी और 31 रनों से हार मिली है। इस मैच की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 121 रनों की अच्छी पारी खेली, लेकिन वो टीम के लिए नाकाफी साबित हुई। ऐसा पहली बार हुआ है, जब ट्रेविस हेड ने सेंचुरी मारी हो और टीम को हार मिली हो। ज्यादातर मैच तो कंगारू टीम ने जीते है, वहीं कुछ ड्रॉ भी रहे हैं, लेकिन हार पहली दफा झेलनी पड़ी है। यानी अब हेड का शतक ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत की गारंटी नहीं रह गया है।

इसी सीरीज का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने 214 रन से जीतकर लीड बनाई थी और उम्मीद की जा रही कि यही सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। पिछले मैच की खास बात ये भी रही कि साउथ अफ्रीकी टीम टेम्बा बावुमा की कप्तानी में पहली बार टेस्ट मैच हारी है। इससे पहले जब भी टेम्बा कप्तान रहे हैं, टीम जीती है याफिर मैच बराबरी पर समाप्त हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने इस सिलसिले को तोड़ दिया था, लेकिन दूसरे ही मैच में टेम्बा ने बदला लेते तो ऑस्ट्रेलिया को उससे भी करारी हार थमा दी है। इस मैच के बाद भी हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले नंबर पर है और साउथ अफ्रीका की टीम तीसरे नंबर पर ही है, लेकिन अब उनके बीच अंतर कम रह गया है। ऑस्ट्रेलिया का पीसीटी 75 का है और साउथ अफ्रीका का मौजूदा पीसीटी 66.67 का हो गया है।

व्यापार

वैश्विक दबाव के चलते सोना-चांदी धड़ाम; सिल्वर में 6,799 रुपए की गिरावट



नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। पिछले दिन की गिरावट के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में एक बार फिर सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली।

वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली, कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बने रहना और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे रहने की आशंका ने निवेशकों का रुख प्रभावित किया है, जिसका असर सोने और चांदी दोनों पर पड़ा, जिसके चलते घरेलू बाजार में चांदी का भाव एक बार फिर 2 लाख प्रति किलोग्राम के नीचे पहुंच गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,43,309 रुपए से 1,251 रुपए यानी 0.87 प्रतिशत फिसलकर 1,42,058 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में एक समय यह 1,503 रुपए यानी 1.04 प्रतिशत गिरकर 1,41,806 रुपए प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान इसमें कुछ सुधार जरूर हुआ, लेकिन खबर लिखे जाने तक सोना 629 रुपए या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,680 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

वहीं, चांदी में गिरावट और भी अधिक रही। दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 1,99,599 रुपए से 3,012 रुपए यानी 1.50 प्रतिशत लुढ़ककर 1,96,587 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली।

जबकि दिन के कारोबार में एक समय इसमें 6,799 रुपए यानी 3.40 प्रतिशत की भारी दर्ज की गई और यह 1,92,800 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई, और इस तरह यह 2 लाख रुपए से नीचे लुढ़क गई है।

हालांकि कारोबार के दौरान इसमें भी कुछ सुधार देखने को मिली और यह 1.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,96,276 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर ट्रेड करती नजर आई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई संबंधी चिंताओं को बढ़ा रही हैं। यदि महंगाई ऊंची बनी रहती है तो प्रमुख केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रख सकते हैं। यही वजह है कि निवेशक फिलहाल सोने और चांदी में सावधानी बरत रहे हैं। इस बीच, वैश्विक बाजार में सोने की कीमत 4,000 डॉलर प्रति औंस के आसपास आ गई है, जिससे बाजार में कमजोरी का माहौल बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में भी सोना और चांदी दोनों कमजोरी के साथ कारोबार करते दिखे। सोना करीब 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,034 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता नजर आया, वहीं चांदी 1.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54.29 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। निवेशकों का ध्यान अब अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों, महंगाई के रुझान और केंद्रीय बैंकों की अगली नीतियों पर है।

सीबीएएम और 50 प्रतिशत स्टील आयात शुल्क से यूरोप को होगा नुकसान, भरोसा ही व्यापार की सबसे बड़ी मुद्रा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) और स्टील आयात पर 50 प्रतिशत तक के शुल्क जैसे कदम अंततः यूरोप की अर्थव्यवस्था, उद्योग और उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक व्यापार में भरोसा सबसे मजबूत और सबसे मूल्यवान मुद्रा है।

बर्लिन ग्लोबल डायलॉग 2026 के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र में गोयल ने कहा, यदि आपने स्वयं पर सीबीएएम लागू कर लिया है और स्टील आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, तो आप अपने लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। इससे जीवन-यापन की लागत बढ़ेगी, लोग महंगाई से परेशान होंगे और आपके उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएंगे।

गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के



सामने विश्वास, प्रतिस्पर्धात्मकता और एक-दूसरे की पूरक क्षमताओं पर आधारित मजबूत आर्थिक साझेदारी विकसित करने का बड़ा अवसर है। बर्लिन में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान लगभग 31 अरब यूरो से बढ़कर 310 अरब यूरो तक पहुंच सकता है, यदि दोनों देश अपनी-अपनी ताकतों का बेहतर उपयोग करें और संयुक्त रूप से नई तकनीकों तथा उत्पादों का विकास करें। हालांकि उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने की कोई समयसीमा नहीं बताई।

गौरतलब है कि गोयल 22 से 27 अक्टूबर तक जर्मनी और नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनके साथ लगभग 100 भारतीय उद्योगों और स्टार्टअप्स का प्रतिनिधिमंडल भी गया है। इस दौरान जर्मनी की आर्थिक मामलों और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे ने भी दोनों देशों के बीच लालफीताशाही कम करने और संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा स्तर से दोगुना किया जा सकता है। भारत-जर्मनी बिजनेस राउंडटेबल और जर्मन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (डीजीएपी) के इंडिया सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर इस वर्ष के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और अगले चार से पांच महीनों में इसे लागू भी किया जा सकता है। दिन में इससे पहले गोयल और रीचे के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। गोयल ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने एआई, सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, क्रिटिकल मिनरल्स, ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और मजबूत सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों में सहयोग

अक्टूबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां 4 महीने के उच्च स्तर पर पहुंची, घरेलू और निर्यात मांग से मिली मजबूती : पीएमआई डेटा



नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों (बिजनेस एक्टिविटी) में जोरदार तेजी दर्ज की गई और यह चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी द्वारा जारी फ्लैश पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) आंकड़ों के अनुसार, घरेलू मांग के साथ-साथ विदेशी बाजारों से मिले मजबूत ऑर्डरों ने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों को गति दी है। साथ ही महंगाई से जुड़े दबावों में भी नरमी देखने को मिली है।

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की संयुक्त गतिविधियों को मापता है, सितंबर के 55.9 से बढ़कर अक्टूबर में 56.7 पर पहुंच गया। 50 से ऊपर का स्तर आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत माना जाता है। यह जून के बाद कारोबारी गतिविधियों की सबसे तेज वृद्धि है। आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बाजार की स्थितियों में सुधार और नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी की जानकारी दी। विदेशी मांग भी मजबूत रही और निर्यात ऑर्डरों में पिछले छह महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डरों की वृद्धि सितंबर के स्तर के आसपास बनी रही, लेकिन इसके पीछे सबसे महत्वपूर्ण पहलू निर्यात मांग में आई तेजी रही। उन्होंने कहा कि जून 2025 के बाद पहली बार निर्यात ऑर्डरों में इतनी मजबूत वृद्धि देखने को मिली है।

उन्होंने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माताओं ने कच्चे माल और तैयार माल दोनों का भंडारण बढ़ाया है। इसके साथ ही उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य पर पड़ने वाला दबाव भी लगातार कम हो रहा है, जो महंगाई के मोर्चे पर राहत का संकेत है।

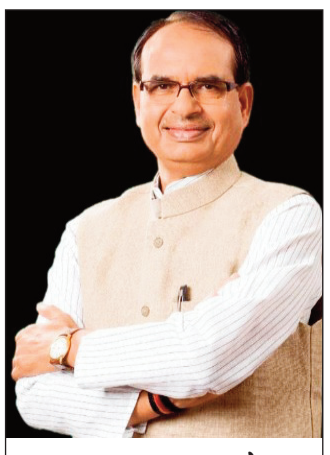
हालांकि रोजगार के मोर्चे पर तस्वीर कुछ मिश्रित रही। निजी क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की गति धीमी पड़ी और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने लगातार नौ महीनों तक कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के बाद इस बार नए कर्मचारियों की भर्ती लगभग रोक दी। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, लेकिन यह वृद्धि सीमित रही।

कई कंपनियों का मानना है कि मौजूदा स्टाफ स्तर फिलहाल काम के दबाव को संभालने के लिए पर्याप्त है, इसलिए बड़े पैमाने पर नई नियुक्तियों की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लंबित कार्यभार (बैकलॉग) में लगातार तीसरी बार गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट पिछले साढ़े छह वर्षों में संयुक्त रूप से सबसे तेज रही, जो इस बात का संकेत है कि कंपनियां काम को पहले की तुलना में अधिक कुशलता से पूरा कर रही हैं।

इसके अलावा, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अक्टूबर में 54.9 दर्ज किया गया, जो विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार को दर्शाता है।

भारत की कृषि गाथा का नया रूप : परिवर्तन का एक दशक



- शिवराज सिंह चौहान

जब माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में पदभार संभाला, तब कृषि और किसान कल्याण को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबद्धता उत्पादन और कृषि आय में सुधार से आगे बढ़कर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, सुदृढ़, प्रौद्योगिकी-आधारित और टिकाऊ बनाने के व्यापक परिवर्तन में परिलक्षित हुई है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि "विकसित भारत के लिए भारतीय कृषि का भी विकास होना चाहिए।" उन्होंने यह भी आह्वान किया है कि भारत केवल अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे। लाल बहादुर शास्त्री के "जय जवान, जय किसान" और अटल बिहारी वाजपेयी के "जय विज्ञान" के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देश को "जय अनुसंधान" का मंत्र दिया। इस मंत्र के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को भारत की कृषि के भविष्य के केंद्र में स्थापित किया। ये शब्द केवल नीतिगत दिशा का वक्तव्य नहीं थे, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टि के परिचायक थे, जिसकी दूरदर्शिता और विवेक की पुष्टि एक दशक बाद सामने आए साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से हुई।

खाद्य सुरक्षा से कृषि के नए प्रतिमान तक

यह विजन भारतीय कृषि को देखने के हमारे दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। हरित क्रांति ने भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। आज हमारी जिम्मेदारी पोषण सुरक्षा, किसानों की समृद्धि, संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की मजबूत नींव तैयार करना है। भारत की कृषि यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है। कभी खाद्य आयात पर निर्भर रहने वाला भारत कुछ ही दशकों में प्रमुख अनाजों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया। हरित क्रांति को विज्ञान, उन्नत बीजों, सिंचाई, बुनियादी ढांचे, संस्थागत ऋण, कृषि विस्तार सेवाओं और नीतिगत सहायता से गति मिली। इससे यह सिद्ध हुआ कि जब वैज्ञानिक क्षमता और राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आती हैं, तो क्या कुछ अर्जित किया जा सकता है। लेकिन कृषि को अतीत की प्राथमिकताओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आकांक्षाएं बदल गई हैं, नागरिकों के उपभोग के तौर-तरीके बदल गए हैं, बाजार बदल गए हैं और जलवायु भी बदल रही है।

व्यापक आधार पर कृषि विकास का एक दशक

इसलिए वर्ष 2015 से जारी परिवर्तन महत्वपूर्ण है। वर्ष 1995-96 और 2014-15 को संरचनात्मक बदलाव के महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया है, क्योंकि ये भारतीय कृषि के विकास के अलग-अलग चरणों को दर्शाते हैं। पहला चरण आर्थिक उदारीकरण के क्रमिक प्रभाव, बाजारों के साथ बढ़ते एकीकरण, बदलते उपभोग पैटर्न और अनाज उत्पादकता वृद्धि की धीमी गति को दर्शाता है। दूसरा चरण सिंचाई के विस्तार, डिजिटल प्लेटफॉर्म, बाजार सुधारों तथा स्थिरता और जलवायु अनुकूलन पर बढ़ते ध्यान से प्रेरित अधिक विविधीकृत, प्रौद्योगिकी-सक्षम और सुदृढ़ कृषि प्रणाली के उभार का संकेत देता है। कृषि विकास की औसत दर 1967-1995 के दौरान लगभग 2.7 प्रतिशत और 1996-2014 के दौरान लगभग 3.0 प्रतिशत थी। यह 2015-2025 के दौरान बढ़कर लगभग 4.5 प्रतिशत हो गई (खाद्यान्न उत्पादन में 8.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष, फल एवं सब्जियों में 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष तथा दूध में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पिछले दो वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रति वर्ष 22.1 मिलियन टन रही और पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। यह उपलब्धि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, कार्यक्रमों के प्रभावी संयोजन, जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण, लक्षित निवेश और किसानों को बढ़े हुए समर्थन के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि अब व्यापक आधार पर हो रही है और इसे केवल अनाज ही नहीं, बल्कि बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन तथा अन्य उच्च-मूल्य वाले कार्यकलापों से भी बल मिल रहा है। यही कृषि भारत के विकास के अगले चरण को गति देगी।

हमारा उद्देश्य अब केवल अधिक उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें कम संसाधनों—कम पानी, कम भूमि, कम ऊर्जा और अनावश्यक कृषि आदानों के कम उपयोग—के साथ अधिक उत्पादन करना होगा, साथ ही बेहतर गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और अधिक पौष्टिक खाद्य तैयार करना होगा। भारत में उपभोग के बदलते स्वरूप से भी इसका स्पष्ट संकेत मिलता है। ग्रामीण भारत में 1972-73 में खाद्य व्यय का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा अनाज पर खर्च होता था; 2022-23 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में दूध और दुग्ध उत्पादों, फलों, सब्जियों, अंडों, मांस और मछली का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर करीब 48 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में भी उपभोग का रुझान इसी तरह बदला है। हमारी कृषि को इस नए भारत की आवश्यकताओ के अनुरूप ढलना होगा। इसका अर्थ है दलहनों तिलहनों, फलों, सब्जियों, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन और अन्य उच्च-मूल्य वाली कृषि उपज पर अधिक ध्यान देना। इसका अर्थ खाद्य सुरक्षा की सीमित अवधारणा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा की दिशा में बढ़ना भी है। किसानों को उन मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ना आवश्यक है, जहां वास्तविक आर्थिक अवसर तेजी से ग्रेडिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात में केंद्रित हो रहे हैं।

किसान-केंद्रित विकास की व्यवस्था तैयार करना

भारत सरकार ने इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा दे रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल ने मिट्टी की जांच और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को कृषि संबंधी निर्णयों के केंद्र में रखा है। पीएम-कुसुम कृषि को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ रही है। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सामूहिक उपज-संग्रह और सौदेबाजी की क्षमता को सुदृढ़ कर रहे हैं। ई-नाम कृषि बाजारों को डिजिटल रूप से जोड़ रहा है, जबकि कृषि अवसंरचना कोष, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना और पीएमएफएमई फसल कटाई के बाद की अवसंरचना और प्रसंस्करण को मजबूत कर रहे हैं। अब इन पहलों को बीज से मिट्टी तक, खेत से बाजार तक और प्रयोगशाला से आजीविका तक एकीकृत किसान-केंद्रित मूल्य श्रृंखला में समाहित करना होगा। इस परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका केंद्रीय होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान अब केवल उपज बढ़ाने के पारंपरिक उद्देश्य तक सीमित नहीं है। वर्ष 2014 से 2025 के बीच फसलों की 3,236 किस्मंन जारी की गईं, जबकि 2003 से 2014 के दौरान यह संख्या 1,540 थी। हाल के वर्षों में जारी की गई किस्मों के बड़े हिस्से को जलवायु के प्रति अधिक सहिष्णु बनाने पर ध्यान दिया गया है और जैव-सुदृढ़ीकरण पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। इसलिए अगली कृषि क्रांति उत्कृष्टता, लचीलेपन और ज्ञान की क्रांति होनी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल परामर्श प्रणालियां और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां किसानों को बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्वों, कीटों, मौसम और बाजारों के बारे में बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं। डिजिटल कृषि पहल, एग्रीस्टैक और एआई-सक्षम परामर्श मंच कृषि सेवाओं को अधिक लक्षित और सुलभ बना सकते हैं। हालांकि, प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देगी, जब वह किसान तक सरल, किफायती और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पहुंचेगी।

प्रयोगशाला से अंतिम मील तक

अनुसंधान और कृषि विस्तार की भूमिका इसलिए और भी महत्वपूर्ण हो गई है। कृषि अनुसंधान में निवेश किया गया प्रत्येक रुपया पर्याप्त आर्थिक लाभ उत्पन्न करता है, जबकि कृषि विस्तार वैज्ञानिक ज्ञान को खेतों में व्यावहारिक सुधारों में बदलता है। हमें अपनी प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, स्टार्टअप, निजी नवप्रवर्तकों और किसानों के बीच संबंध सुदृढ़ करने होंगे। इसके साथ ही हमें संसाधनों से जुड़ी चुनौती का भी सामना करना होगा। भारत जल, उर्वरक, ऊर्जा और भूमि के उपयोग को लगातार बढ़ाकर कृषि उत्पादन का विस्तार नहीं कर सकता। भूजल का क्षरण, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट, जलवायु में अस्थिरता और चरम मौसमी घटनाएं एक नए उत्पादन प्रतिमान की मांग करती हैं। साक्ष्य दर्शाते हैं कि कृषि विकास के हाल के चरण में अधिक उत्पादकता के साथ अधिक स्थिरता भी आई है। इससे विविधीकरण, संसाधनों के कुशल उपयोग, जोखिम प्रबंधन और जलवायु-सहनशीलता का बढ़ता महत्व स्पष्ट होता है। इसीलिए स्थिरता कोई पर्यावरणीय विलासिता नहीं, बल्कि किसान की आर्थिक आवश्यकता है।

हमारी नीतियों को पानी, पोषक तत्वों और ऊर्जा की प्रत्येक इकाई के कुशल उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। अनुसंधान में जलवायु-अनुकूल किस्मों, पानी और पोषक तत्वों का कुशल उपयोग करने वाली फसलों, मृदा जीवविज्ञान में सुधार, एकीकृत कीट प्रबंधन, संरक्षण कृषि और सटीक कृषि को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दलहनों और तिलहनों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि उनकी उत्पादकता बढ़ाना भारत की पोषण संबंधी और आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के लिए अनिवार्य है।

कुशल बाजार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं

कुशलता से उत्पादन करने वाले किसान को अपनी उपज लाभकारी मूल्य पर बेचने का अवसर भी मिलना चाहिए। कृषि उत्पादन के साथ-साथ कृषि बाजारों, भंडारण, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, ग्रेडिंग, प्रसंस्करण और डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी विकास होना चाहिए। कृषि उत्पादन के विस्तार और शीघ्र नष्ट होने वाली उपज के विविधीकरण से कुशल सामूहिक संग्रह और बाजार संपर्क की नई आवश्यकताएं पैदा हुई हैं। किसान समूह, सहकारी संस्थाएं और एफपीओ लेन-देन की लागत घटाकर, सौदेबाजी की क्षमता बढ़ाकर और किसानों को संगठित मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़कर परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकते हैं। भारत को मंडी से आगे बढ़कर विश्व बाजार की ओर देखना होगा।

हमारा लक्ष्य भारतीय कृषि उत्पादों को ऐसी गुणवत्ता, अनुरेखणीयता, सुरक्षा और ब्रांड पहचान प्रदान करना होना चाहिए, जिन्हें विश्व स्तर पर मान्यता मिले। अगले चरण में किसानों को केवल घरेलू उपभोक्ताओं से ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मूल्य श्रृंखलाओं से भी जोड़ना होगा। इससे रोजगार सृजित होंगे, ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा और कृषि से उत्पन्न मूल्य का अधिक हिस्सा ग्रामीण भारत में ही रह सकेगा। हालांकि, यह परिवर्तन केवल केंद्र सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। कृषि एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। राज्यों, स्थानीय सरकारों, अनुसंधान संस्थानों, एफपीओ, सहकारी संस्थाओं, निजी उद्यमों, वित्तीय संस्थानों और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा। भविष्य में कृषि, जल, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, पोषण, जलवायु, व्यापार और ग्रामीण विकास के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

यहीं सहकारी संघवाद की भावना महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की कृषि-पारिस्थितिक विविधता के लिए ऐसे समाधानों की आवश्यकता है, जिनका क्रियान्वयन स्थानीय स्तर पर हो, लेकिन विजन राष्ट्रीय हो। विकसित कृषि से विकसित भारत तक की यात्रा का आकलन केवल उत्पादित टन के आधार पर नहीं, बल्कि किसानों के जीवन की गुणवत्ता से किया जाएगा। समृद्ध किसान समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नींव है। गतिशील कृषि सुदृढ़ खाद्य प्रणालियों का आधार है। और प्रतिस्पर्धी कृषि मूल्य श्रृंखला वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत की आधारशिला है। इसलिए हमें इस प्रश्न से आगे बढ़ना होगा कि "हम कितना उत्पादन कर सकते हैं?" और यह पूछना होगा कि "हम कितनी दक्षता, टिकाऊपन और लाभप्रदता के साथ उत्पादन कर सकते हैं?"

हरित क्रांति ने भारत के खाद्य भविष्य को सुरक्षित किया। कृषि के अगले परिवर्तन को भारत की समृद्धि, पोषण, प्राकृतिक संसाधनों और वैश्विक नेतृत्व को सुरक्षित करना होगा। माननीय प्रधानमंत्री ने देश को स्पष्ट दिशा दी है कि भारतीय कृषि विकसित भारत का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बने। हमारा दायित्व है कि विज्ञान, नवाचार, अवसंरचना, बाजार, संस्थानों और सबसे बढ़कर प्रत्येक कृषि नीति के केंद्र में भारतीय किसान को रखकर इस विजन को कार्यरूप दें। विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ते हुए किसान केवल विकास का लाभार्थी न रहे, बल्कि भारत के विकसित भविष्य का निर्माता भी बने। भारत को अब कृषि में इसी परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ना है और 2047 के भारत की नींव इसी पर टिकेगी।

(पीआईबी)

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री हैं। लेख में व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं।)

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू तीन दिवसीय भुवनेश्वर प्रवास पर

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू शहरी विकास एवं आवासन से जुड़े राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजनों में सहभागिता के लिए 23 से 25 अक्टूबर 2026 तक ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के प्रवास पर रहेंगे। जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और शहरी विकास से जुड़े विषयों में सक्रिय सहभागिता के साथ श्री साहू इस दौरान 'शहरी गतिशीलता भारत सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी 2026 एवं 'राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2026' में शामिल होंगे।

मंत्रालय से संबंधित इन राष्ट्रीय आयोजनों में उनकी सहभागिता शहरी गतिशीलता, आवासन और शहरों के



नियोजित विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगी। उनके प्रवास का कार्यक्रम बिलासपुर से प्रस्थान, भुवनेश्वर में सम्मेलन एवं स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता और नई दिल्ली वापसी तक निर्धारित है।

22 अक्टूबर: बिलासपुर से भुवनेश्वर के लिए प्रस्थान

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू 22 अक्टूबर की शाम बिलासपुर स्थित अपने निवास से सड़क मार्ग द्वारा रेलवे स्टेशन के लिए रवाना होंगे। वे रात्रि 8:20 बजे ट्रेन संख्या 22865 से भुवनेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगे।

23 अक्टूबर: भुवनेश्वर आगमन और शहरी गतिशीलता सम्मेलन

श्री साहू 23 अक्टूबर को प्रातः 6:30 बजे भुवनेश्वर पहुंचेंगे। रेलवे स्टेशन से सड़क मार्ग द्वारा अपने निर्धारित होटल जाएंगे।

इसके बाद प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक वे 'शहरी गतिशीलता भारत सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी 2026' में सहभागिता करेंगे। तत्पश्चात दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक उनके विभिन्न स्थानीय कार्यक्रम निर्धारित हैं।

24 अक्टूबर: राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन में सहभागिता

प्रवास के दूसरे दिन, 24 अक्टूबर को केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू 'राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2026' में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उनकी सहभागिता प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगी। तत्पश्चात रात 9 बजे तक विभिन्न स्थानीय कार्यक्रम मे शामिल होंगे

सम्मेलन के पश्चात वे अपने निर्धारित होटल लौटेंगे।

25 अक्टूबर: सम्मेलन में सहभागिता और नई दिल्ली वापसी

झांकियों के साथ माता रानी किया गया विसर्जन

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर के विभिन्न स्थानों में विराजित मां दुर्गा का विसर्जन गुरुवार को पूरे भक्ति भाव के साथ किया गया। माँ दुर्गा के प्रतिमा के साथ-साथ टोलीयों ने माता की आराधाना गीत जसगीत गाते हुए निकले इसी प्रकार नगर एवं क्षेत्र के विभिन्न समिति मां जगजननी समिति थाना ग्राउंड, नवदीप दुर्गोत्सव समिति बाजारपारा, जय दुर्गेवार्ड दुर्गात्सव समिति गुरुद्वारा चौक, राजाकालोनी दुर्गोत्सव आदर्श दुर्गोत्सव समिति मिलपार, युवा मण्डल ब्राम्हणपारा दुर्गोत्सव समिति डिपोपारा नाकापारा राम्डेपुर समिति गायत्री नगर दुर्गोत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की



प्रतिमा का विसर्जन धार्मिक वातावरण के साथ किया गया। वही सभी समितियों के द्वारा माताराती की मूर्तियों का विसर्जन शिवघाट धाम स्थित मनियारी नदी में किया गया।

ग्राम जमुनाही में विधिक सेवा मेगा ड्राइव का सफल समापन, 64 आवेदनों का हुआ निराकरण



60 दिवसीय अभियान से ग्रामीणों को मिली कानूनी अधिकारों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक कानूनी सहायता पहुंचाने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा संचालित लीगल एड क्लीनिक के 60 दिवसीय मेगा ड्राइव के प्रथम चरण का ग्राम जमुनाही में सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह अभियान 25 अगस्त से 23 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम में ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, कानूनी अधिकारों और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों से प्राप्त समस्याओं के आवेदनों पर संबंधित विभागों के समन्वय से कार्यवाही की गई। अभियान का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को न्याय तक पहुंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता करना रहा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान का समापन 23 अक्टूबर को सतीश कुमार खाखा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों, कर्मचारियों और पैरालीगल वालंटियर्स ने भाग लिया। मेगा ड्राइव के प्रथम चरण में ग्राम जमुनाही के ग्रामीणों से विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें शौचालय निर्माण से संबंधित 27, वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित 06, विद्युत संबंधी 08, प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित 15 तथा अन्य समस्याओं से संबंधित 18 आवेदन शामिल थे। प्राप्त आवेदनों में से 64 का निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष 10 आवेदनों को आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया है। कार्यक्रम में श्री देवेंद्र कुमार दीक्षित, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी, लोरमी, सी.पी. सोनी, नायब तहसीलदार लोरमी, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण, पैरालीगल वालंटियर्स तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना में ठगी, ठेकेदार पर एफआईआर

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के सख्त रुख के बीच कबीरधाम में कार्रवाई जारी, अब तक तीन ठेकेदारों पर दर्ज हुई एफआईआर

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने तथा उनके अधिकारों की रक्षा को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया है कि आवास निर्माण के नाम पर हितग्राहियों से धोखाधड़ी करने और उनकी राशि का दुरुपयोग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पिछले दिनों दो ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद अब बोड़ला विकासखंड के ग्राम दुलदुला में तीन हितग्राहियों से राशि लेने और आवास निर्माण पूरा नहीं करने के मामले में ठेकेदार शेख निजामुद्दिन उर्फ निक्की खान के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज की गई है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी जरूरतमंद परिवार पक्के मकान से वंचित न रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विशेष रूप से दूरस्थ वनांचलों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड बोड़ला के ग्राम दुलदुला ग्राम पंचायत बेंदा में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत हितग्राही राजिम धुर्वे द्वारा ठेकेदार शेख निजामुद्दिन उर्फ निक्की खान के विरूद्ध आवास निर्माण करने के नाम पर पैसे लेने के बाद भी आवास का निर्माण कार्य पूरा नहीं करने पर तथा पैसा वापस मांगने पर नहीं लौटाने के कारण थाना चिल्फी में भारतीय



न्याय सहिता (बी.एन.एस.)2023 की धारा 318 (4) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराया गया है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार हितग्राही राजीम धुर्वे एवं उनके बड़े भाई सोनेलाल धुर्वे तथा पड़ोसी छिरवैया धुर्वे के नाम से प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना की स्वीकृति मिली थी। प्रथम किस्त की राशि 40 हजार रूपये प्राप्त कर भूतपुर्व सरपंच पति शेख निजामुद्दिन उर्फ निक्की खान द्वारा आवास निर्माण का ठेका लिया गया।

दूसरे किस्त की राशि 60 हजार रूपये भी ठेकेदार को नगद भुगतान किया गया। पैसे लेने के बाद भी आवास का निर्माण पूरा नही किया गया। हितग्राही द्वारा अपने आवेदन में दी गई सूचना अनुसार तीन हितग्राही से 80-80 हजार रूपये सहित कुल 2,40,000 रूपये की राशि छलपूर्वक लेते हुए ठगी करने की शिकायत पर थाना चिल्फी द्वारा एफआईआर दर्ज किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन आवास के निर्माण कार्यो में कुछ स्थानों पर ठेकेदारों द्वारा हितग्राहियों से छल पूर्वक आवास निर्माण करने के नाम पर ठगी की गई है।

निर्माण कार्य पूरा नहीं करने और पैसे वापस नहीं करने पर अब-तक कुल तीन ठेकेदारों के विरूद्ध हितग्राहियों द्वारा संबंधित आरक्षी केन्द्र में एफआईआर दर्ज कराया गया है।

जिसमें बैसाखू बैगा पिता अंकलू बैगा ग्राम आमानारा द्वारा थाना तरेगांव जंगल में ठेकेदार तुमेश गोड़ के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराया गया है। इसी तरह देवसिंह पिता गौचरण ग्राम राजाढ़ार द्वारा थाना चिल्फी में ठेकेदार कुमार मेरावी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराया गया है। अब तक हुए एफआईआर अनुसार तीन ठेकेदारों के विरूद्ध कुल 7 लाख 49 हजार रूपये की ठगी करने का आरोप है जिसके कारण हितग्राहियों द्वारा थानें में रिपोर्ट दर्ज कराया गया है।

न्यायालय तहसीलदार पेण्ड्रारोड
जिला- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. ..... / अ-6-अ
ग्राम अंजनी

एतद् द्वारा, सर्व साधारण ग्राम अंजनी को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण लल्लू सिंह पिता भवर सिंह वगैरह, जाति गोंड, निवासी ग्राम अंजनी, तहसील पेण्ड्रारोड, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम अंजनी में स्थित भूमि खसरा नंबर 80/1, 80/2, 223, 224, 153, 264/4, 3, 4, 258/13, 96/3, 123/1, 201/1, 256, 257/1, 277/1, 301/1, 256/16 कुल खसरा नंबर 17, कुल रकबा 14.42 एकड़ भूमि के संबंध में आवेदकगण के द्वारा अनावेदकगण के विरुद्ध घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा बाबत व्यवहार न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-02 मरवाही श्रृंखला न्यायालय पेण्ड्रारोड जिला बिलासपुर (छ.ग.) के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। आवेदकगण द्वारा न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-02 मरवाही श्रृंखला न्यायालय पेण्ड्रारोड, जिला बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा पारित निर्णय एवं डिक्री दिनांक 23/11/2016 के अनुसार उपरोक्त भूमि के वर्तमान ऑनलाइन राजस्व अभिलेखों से अनावेदकगण का नाम विलोपित का आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्त आवेदन पत्र के आधार पर इस न्यायालय में प्रकरण पंजीबद्ध कर सुनवाई की जा रही है। आवेदित भूमि के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में स्वयं/अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर दिनांक 04/11/26 तक अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/10/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर अंकित कर जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
तहसील पेण्ड्रारोड
जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों से जशपुर में आकार ले रही 3147 करोड़ रुपये की भारतमाला परियोजना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों से जशपुर जिले में सड़क अधोसंरचना के विकास को नई गति मिल रही है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण जशपुर जिले में आकार लेने लगा है। जिले में लगभग 3147 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही इस सड़क परियोजना के पूर्ण होने से जशपुर का राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों और पड़ोसी राज्यों से सड़क संपर्क अधिक सुगम होगा। बेहतर कनेक्टिविटी से जिले में व्यापार, पर्यटन, कृषि आधारित गतिविधियों और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। निर्माणाधीन इकोनॉमिक कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 707 किलोमीटर बताई गई है, जिसमें लगभग 104 किलोमीटर सड़क जशपुर जिले से होकर गुजरेगी। यह फोरलेन सड़क रायपुर और धनबाद के बीच आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाने के साथ जशपुर, पत्थलगांव और आसपास के क्षेत्रों को व्यापक सड़क नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे प्रदेश की राजधानी रायपुर, न्यायधानी बिलासपुर, ऊर्जाधानी कोरबा और पड़ोसी राज्य झारखंड की ओर आवागमन की सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत विकसित हो रहे इकोनॉमिक कॉरिडोर से जशपुर जिले के लोगों को सबसे बड़ा लाभ यात्रा समय में कमी के रूप में मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में जशपुर से राजधानी रायपुर तक सड़क मार्ग से यात्रा करने में लंबा समय लगता है। परियोजना के पूर्ण होने पर बेहतर फोरलेन सड़क और सुगम यातायात



व्यवस्था से यात्रा अवधि में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है। उपलब्ध परियोजना संबंधी जानकारी के अनुसार, संबंधित मार्गों पर यात्रा अवधि लगभग 14 घंटे से घटकर 8 से 9 घंटे होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। वहीं, जशपुर से रायपुर तक का सफर भविष्य में लगभग 5 से 6 घंटे में पूरा होने की उम्मीद भी जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक यात्रा अवधि मार्ग की उपलब्धता, यातायात की स्थिति और परियोजना के पूर्ण संचालन पर निर्भर करेगी। सड़क संपर्क बेहतर होने से जिले के नागरिकों को राजधानी रायपुर और अन्य बड़े शहरों में स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा, व्यापार और प्रशासनिक कार्यों के लिए आने-जाने में सहूलियत होगी। रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर जशपुर जिले की आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित होने से किसानों को अपनी कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों, सब्जियों और अन्य कृषि उत्पादों के परिवहन में लगने वाला समय कम होने से किसानों और व्यापारियों को लाभ मिलने की संभावना है। जशपुर जिला कृषि, वनोपज, हस्तशिल्प और ग्रामीण आजीविका गतिविधियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। आधुनिक सड़क संपर्क से स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने, व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार और नए उद्यमों के विकास के अवसर बढ़ सकते हैं। सड़क निर्माण और परिवहन सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को भी बल मिलेगा। प्राकृतिक सौंदर्य, जलप्रपातों, पर्वतीय क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति के लिए प्रसिद्ध जशपुर जिले में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। बेहतर सड़क संपर्क के अभाव में कई पर्यटकों को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने में अधिक समय लगता है। भारतमाला परियोजना के पूर्ण होने से देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों के लिए जशपुर पहुंचना अधिक सुविधाजनक होगा। जिले के प्रसिद्ध मयाली नेचर कैंप, मधेश्वर पर्वत, रानीदाह जलप्रपात, कैलाश गुफा और अन्य प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच को बेहतर सड़क नेटवर्क से अप्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल, होमस्टे, स्थानीय परिवहन, खानपान, हस्तशिल्प और अन्य पर्यटन आधारित व्यवसायों को प्रोत्साहन मिल सकता है। इससे स्थानीय युवाओं और ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित हो सकेंगे।

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ में उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख विषयों और उत्कृष्ट पहलों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के लिए आज मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पिछले राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़े विषयों पर चर्चा के साथ-साथ श्एक्शन ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टमश् के माध्यम से कार्यों की प्रगति और गुणात्मक सुधार की समीक्षा की गई।

शिक्षा, स्वास्थ्य और नवाचारों पर विशेष जोर

बैठक में मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों के सचिवों को निर्देश दिए कि आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्य के नवाचारों और गुणात्मक सुधारों को प्रमुखता से रखा जाए। उन्होंने शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर तैयार करने के निर्देश दिए ताकि राज्य के प्रयासों और सकारात्मक परिणामों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

आंगनबाड़ी केंद्रों में खिलौना बैंक की अनूठी पहल

बैठक के दौरान राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित खिलौना बैंक की पहल की विशेष रूप से सराहना की गई। इस अभिनव योजना के तहत लोग अपने बच्चों के पुराने खिलौने जमा करते हैं, जिनका उपयोग आंगनबाड़ी के बच्चों के मानसिक विकास और उनके सुपोषण के प्रति जनजागरूकेंट बढ़ाने के लिए किया जाता है। अब तक इस पहल के अंतर्गत एक लाख से अधिक खिलौने जमा किए जा चुके हैं।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर केंद्रित सत्र

बैठक में यह जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय सम्मेलन में विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए मुख्य रूप से चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। विकसित भारत के लिए विशिष्ट प्राथमिकताएं और उद्देश्य, आर्थिक विकास एवं राज्य के वित्त को मजबूत बनाने में खनन क्षेत्र की भूमिका, सुशासन में तकनीक का प्रभावी उपयोग, सड़क व अन्य आधारभूत संरचना



परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए नए विचार और बेहतर कार्यप्रणाली पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं पोषण, गैर-कृषि कार्यों में उर्वरकों के दुरुपयोग पर नियंत्रण, प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने और अंतरराज्यीय प्रतिस्पर्धा से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, खाद्य विभाग की सचिव सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, कौशल विकास विभाग के सचिव श्री बसवराजू एस., राजस्व विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, आदिम जाति विभाग के सचिव श्री भूवनेश यादव, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया, गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा, तथा मुख्यमंत्री के विशेष सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क श्री रजत बंसल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बर्खास्त GRP आरक्षक पर ACB का शिकंजा

बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के तहत एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) बिलासपुर ने जीआरपी के बर्खास्त आरक्षक लक्ष्मण गाईन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में विशेष न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया है। विवेचना में आरोपी के पास ज्ञात आय के स्रोतों से 1 करोड़ 3 लाख 33 हजार 33 रुपये 50 पैसे की अधिक संपत्ति पाए जाने का उल्लेख है। आरोपी की आय और व्यय के विश्लेषण के बाद यह कार्रवाई की गई है।

आय से दोगुने से अधिक खर्च का खुलासा-ACB की विवेचना के अनुसार, आरक्षक लक्ष्मण गाईन की कुल आय 86,76,270 रुपये पाई गई, जबकि इस अवधि में उनका कुल व्यय 1,90,09,303.50 रुपये दर्ज किया गया। इस तरह आय की तुलना में 1,03,33,033.50 रुपये अधिक खर्च पाया गया।आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 58/2024 दर्ज किया गया था। इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की संशोधित धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई।

घर समेत अन्य ठिकानों पर हुई थी छापेमारी-मामले की विवेचना के दौरान 1 दिसंबर 2024 को ACB ने आरोपी के बिलासपुर स्थित निवास सहित अन्य स्थानों पर छापामार कार्रवाई की थी। जांच में आय और व्यय से संबंधित जानकारी जुटाई गई। विवेचना में आय से अधिक संपत्ति पाए जाने और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद ACB ने विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बिलासपुर के न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया है।

गांजा तस्करी के मामले में भी आरोपी-लक्ष्मण गाईन के खिलाफ गांजा तस्करी से जुड़ा एक अन्य गंभीर मामला भी दर्ज है। आरोप है कि जीआरपी बिलासपुर में पदस्थ रहने के दौरान उन्होंने अन्य आरक्षक साथियों के साथ मिलकर ट्रेनों में गांजा तस्करी करने वालों को पकड़ा, लेकिन जब्त गांजे को अपने पास रख लिया। आरोप यह भी है कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं करने के बदले संबंधित लोगों से पैसे वसूलकर आपस में बांटे गए। इस मामले में जीआरपी थाना बिलासपुर में अपराध क्रमांक 117/2024 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) और 29 में अपराध दर्ज किया गया था। बाद में प्रकरण की विवेचना एसीसीयू, जिला बिलासपुर को सौंपी गई। जांच के बाद एसीसीयू ने चालान क्रमांक 46-ए/2024 विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट, बिलासपुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया था।

नवंबर 2024 में सेवा से किया गया था पृथक

गांजा तस्करी से जुड़े आपराधिक प्रकरण में सामने आए आरोपों और संबंधित आचरण के चलते पुलिस अधीक्षक रेल, छत्तीसगढ़ ने 19 नवंबर 2024 को लक्ष्मण गाईन को सेवा से पृथक कर दिया था। वर्तमान में आरोपी गांजा तस्करी से जुड़े मामले में बिलासपुर जेल में निरुद्ध है। अब आय से अधिक संपत्ति के मामले में अभियोग पत्र प्रस्तुत होने के बाद प्रकरण में न्यायालयीन प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

IPS अंकिता शर्मा के समर्थन में भाजपा विधायक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विजयादशमी के दिन साड़ी पहनकर हर्ष फायरिंग मामले में भाजपा विधायक रिकेश सेन ने राजनांदगांव एसपी IPS अंकिता शर्मा का समर्थन किया है। उन्होंने आईजी अजय यादव के बयान पर आपत्ति भी जताई है। विधायक रिकेश सेन ने सोशल मीडिया पर पोसट कर कहा है कि पूरे भारत देश में 100 से ज्यादा महिलाओं ने विजयदशमी के दिन शस्त्र की पूजा कर गोली चलाई। इन 100 महिलाओं में एक भी आईपीएस नहीं थी। कोई जिला पंचायत सीईओ थीं, कोई जिला कलेक्टर थी, कोई नगर निगम कमिश्नर थी, कोई एसडीएम थी, कोई अपर कलेक्टर थी। ये सब लोग भी साड़ी में ही थे, जिसका जीता जागता उधारण उज्जैन है। विधायक रिकेश सेन ने कहा है कि राजनांदगांव आईजी अजय यादव का प्रेस कॉन्फ्रेंस देख रहा था, जिसमें उन्होंने कहा सोशल मीडिया में नकारात्मक कमेंट आने के कारण आईपीएस अंकिता शर्मा को नोटिस दिया गया। आईजी साहब सोशल मीडिया के हिसाब से पुलिस अगर चलेगी तो शायद स्मार्ट पुलिस बन पाना मुश्किल है। पुलिस को निर्णय



अपने विवेक से अपनी सरकार की नीति से लेना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ को लेकर लोगों की मंशा ठीक नहीं-भाजपा विधायक सेन ने आगे कहा है कि हमारे छत्तीसगढ़ की बेटी अंकिता शर्मा जी को जिस प्रकार से पूरा देश का मीडिया ट्रोल कर रहा है। इससे समझ आता है कि आज भी छत्तीसगढ़ को लेकर लोगों की मंशा ठीक नहीं है। मेरा समर्थन मजबूती के साथ आईपीएस अंकिता शर्मा के साथ है।

अवधेशानंद गिरी महाराज ने भी किया है समर्थन-श्री पंच दशानन जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर (पीठाधीश्वर) अवधेशानंद गिरी महाराज ने भी अंकिता शर्मा का समर्थन किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर लिखा है कि वरिष्ठ आईपीएस पुलिस अधिकारी अंकिता शर्मा के शस्त्र- पूजन ने प्रस्तुत किया- नारी-शक्ति, सांस्कृतिक स्वाभिमान और कर्तव्यनिष्टा का प्रेरक आदर्श। साड़ी में श्रद्धापूर्वक शस्त्र पूजन करते वरिष्ठ IPS पुलिस अधिकारी का स्वरूप भारतीय संस्कृति, नारी-गरिमा और राष्ट्ररक्षा के संकल्प की सुंदर अभिव्यक्ति है।

एचडीएफसी बैंक की राष्ट्रव्यापी 'साइबर फ्रॉड सुरक्षा' पहल

रायपुर। एचडीएफसी बैंक ने साइबर धोखाधड़ी रोकने और सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए 'साइबर फ्रॉड सुरक्षा' अभियान चलाया। जुलाई से अक्टूबर 2026 तक आयोजित 8,800 से अधिक कार्यशालाओं के जरिए बैंक ने देश भर के 1.8 लाख से अधिक नागरिकों को जागरूक किया।इन सत्रों में छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और कर्मचारियों को 'डिजिटल अरेस्ट', एपीके फाइल तथा क्यूआर कोड स्कैम जैसे नए फ्रॉड से बचने की जानकारी दी गई।सीनियर एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मनीष अग्रवाल ने कहा कि साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूकता जरूरी है।

अम्बिकापुर में 26वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में 4 दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज हुआ। राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन सरगुजा अंचल वासियों के लिए गौरव का क्षण है। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपरपज स्कूल) ग्राउंड, अंबिकापुर में 26वीं चार दिवसीय राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। खेल का शुभारंभ सांसद द्वारा बास्केट में बाल डालकर किया गया। इस प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों ने बिहू नृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने, निरंतर अभ्यास करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है। सांसद ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी संभाग के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर रहे सभी 215 छात्र एवं 245 छात्राओ को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सभी को अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया । उन्होंने कहा कि हार जीत तो जीवन का अभिन्न हिस्सा है । बेहतर खिलाड़ी वही है जो अच्छे खेल भावना के साथ अपना बेहतर प्रदर्शन करता है। चार दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस की प्रतियोगिताएं विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत 19 वर्ष आयु वर्ग के बालकों की फुटबॉल प्रतियोगिता, 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं की बास्केटबॉल प्रतियोगिता तथा 17 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

निजी कार्यक्रम छोड़ केल्हारी बस दुर्घटना के घायलों से मिलने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

केल्हारी बस दुर्घटना में घायल लोगों का हालचाल जानने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज अपने सभी निजी कार्यक्रम स्थगित कर मनेन्द्रगढ़ स्थित सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उपचाररत मरीजों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और बेहतर उपचार का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों से प्रत्येक घायल की स्वास्थ्य स्थिति एवं उपचार की जानकारी ली तथा समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में सरकार दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न हो और उनकी स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी की जाए। उल्लेखनीय है कि कल हुई केल्हारी बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु हो गई थी और अनेक लोग घायल हुए



थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की थी।श्री जायसवाल ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की

रायपुर में माइक्रोबस सेवा को 96% यात्रियों का समर्थन

नई दिल्ली/ रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर में 45 दिनों तक चले माइक्रोबस पायलट प्रोजेक्ट में सर्वे में शामिल 96 प्रतिशत यात्रियों ने दैनिक आवागमन के लिए माइक्रोबस सेवा का समर्थन किया। सीईईडब्ल्यू (काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर) के अध्ययन के अनुसार, छोटी और वातानुकूलित बसें संकरी सड़कों वाले छोटे और मध्यम शहरों में सार्वजनिक परिवहन की कमी दूर करने में उपयोगी हो सकती हैं। अध्ययन को 19वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने जारी किया। छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के मार्गदर्शन में संचालित इस पायलट प्रोजेक्ट में जून-जुलाई 2026 के दौरान रायपुर के दो प्रमुख मार्गों पर 17 से 22 सीटों वाली आठ एसी माइक्रोबसों का संचालन किया गया। अध्ययन में यात्रियों की प्रतिक्रिया, यात्रा खर्च और वाहनों की उपयोगिता का आकलन किया गया। पायलट प्रोजेक्ट के तहत माइक्रोबसों का संचालन सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक किया गया। ये बसें रायपुर जंक्शन से आईएसबीटी भाठागांव और रायपुर जंक्शन से टाटीबंध के बीच चलीं। इस दौरान माइक्रोबसों में कुल 18,682 यात्री यात्राएं दर्ज की गईं। प्रतिदिन औसतन 480 यात्रियों ने सफर किया, जबकि एक दिन में सर्वाधिक 722 यात्रियों ने इन सेवाओं का उपयोग किया। बसों से यात्रा करने वाले 500 यात्रियों के सर्वे में 53 प्रतिशत कामकाजी लोग थे। इनमें से कई यात्री सप्ताह में लगभग चार बार सफर



करते थे और प्रत्येक यात्रा में 4 से 12 किलोमीटर की दूरी तय करते थे।

ऑटो और दोपहिया छोड़कर माइक्रोबस से सफर-अध्ययन के मुताबिक, माइक्रोबस सेवा का इस्तेमाल करने वाले 63.7 प्रतिशत यात्री ऑटो और ई-रिक्शा से आए, जबकि 14 प्रतिशत ने दोपहिया वाहनों के बजाय माइक्रोबस को चुना। यात्रियों को आकर्षित करने वाले प्रमुख कारणों में कम किराया, एसी सुविधा और सुरक्षा शामिल रहे। सर्वे में 78 प्रतिशत यात्रियों ने कम किराये, 74 प्रतिशत ने वातानुकूलन और आराम तथा 55 प्रतिशत ने सुरक्षा को माइक्रोबस चुनने की वजह बताया। माइक्रोबस से यात्रा करने वाले यात्रियों का औसत यात्रा खर्च उनकी पारिवारिक आय के मुकाबले 6.9 प्रतिशत से घटकर 3.1 प्रतिशत रह गया। सबसे कम आय वाले परिवारों के लिए यह अनुपात 13.9 प्रतिशत से घटकर 6.6 प्रतिशत दर्ज किया गया।

माइक्रोबस की डिजाइन में बदलाव की जरूरत-सीईईडब्ल्यू के अध्ययन में माइक्रोबस के आकार और श्रेणी को स्टेज-कैरिज यानी निर्धारित मार्ग पर यात्रियों को चढ़ाने-उतारने वाली सार्वजनिक परिवहन सेवा के लिए उपयुक्त पाया गया। हालांकि, यात्रियों और चालक दल ने मौजूदा मॉडलों की डिजाइन में बदलाव की जरूरत बताई। सुझावों में बस के बीच खड़े होने की जगह चौड़ी करना, सामान रखने की व्यवस्था करना और पैरों के लिए अधिक जगह उपलब्ध कराना शामिल है। सीईईडब्ल्यू की फेलो हिमानी जैन ने कहा कि भारतीय शहरों में भीड़भाड़, वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का विस्तार जरूरी है। उनके मुताबिक, माइक्रोबस संकरी सड़कों वाले पुराने शहरी इलाकों में किफायती सेवा देने के साथ मेट्रो की फीडर सेवा और आसपास के उपनगरीय क्षेत्रों को जोड़ने में भी उपयोगी हो सकती हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com